मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-190, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया अस्त्र-शस्त्रों का पूजन

शस्त्र-पूजन भारतीय संस्कृति, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक

एक सत बुलेटिन, भोपाल





मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयादशमी के पावन पर्व पर इंदौर में आयोजित राज?य स?तरीय शस्त्र-पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शस्त्र पूजन भारतीय सनातन संस्कृति, शौर्य, शक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन जीने की प्रेरणा देती है। शस्त्र धारण करना केवल शक्ति प्रदर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के कष्ट दूर करने, नागरिकों की रक्षा करने और व्यवस्था बनाए रखने का दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयादशमी के पावन पर्व पर इंदौर पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में सहभागिता कर शौर्य, पराक्रम और राष्ट्र रक्षा की गौरवशाली परंपरा का निर्वहन किया। इस अवसर पर उन्होंने मां कालका की आराधना की तथा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परंपरागत तलवार, भाला सहित अत्याधुनिक एके-47 और अन्य अस्त्र-शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस वाहन, अश्वों का पूजन करने के साथ शस्त्रागार का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में उन्होंने कन्या पाद पूजन भी किया। कार्यक्रम में उन्हें महिला पुलिस दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस समारोह में धार्मिक आस्था, शौर्य परंपरा और जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का समन्वय देखने को मिला।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विजयादशमी का पर्व भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध के माध्यम से अधर्म पर धर्म की विजय तथा मां दुर्गा द्वारा महिषासुर के वध के माध्यम से नारी शक्ति के सामर्थ्य का संदेश देता है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की परंपरा से समृद्ध सनातन संस्कृति हमारे संस्कारों और जीवनशैली को विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। हमारी परंपरा में शस्त्र को भी तिलक लगाकर श्रद्धा और पवित्रता के साथ पूजने का विधान है। यह शस्त्र के प्रति सम्मान के साथ उसके जिम्मेदार उपयोग की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारत का गौरवशाली इतिहास वीरों के त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण से निर्मित हुआ है। देश के वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता के मान-सम्मान की रक्षा की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर स्वर्णिम भविष्य की ओर अग्रसर है।

सरकार सभी त्योहारों और सांस्कृतिक परंपराओं में सहभागी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने सामाजिक संस्कारों और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने के लिए सभी त्योहारों में सक्रिय सहभागिता की परंपरा विकसित की है। आज प्रदेशभर में पुलिस बलों द्वारा शासकीय स्तर पर शस्त्र पूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन के साथ प्रोत्साहन भी आवश्यक है। दण्ड से व्यवस्था कायम होती है, तो प्रोत्साहन और सम्मान से कार्य करने वालों का उत्साह बढ़ता है।

इंदौर के पुलिस नवाचारों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में लोकार्पित एप नागरिकों और पुलिस के बीच संवाद को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने में उपयोगी सिद्ध होगा। इस एप के माध्यम से पुलिसकर्मियों की ड्यूटी संबंधी जानकारी, संबंधित थानों और अधिकारियों का विवरण, संपर्क सुविधाएं तथा आवश्यक पुलिस सेवाओं की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेगी। इसकी उपयोगिता को देखते हुए भविष्य में इसे प्रदेश स्तर पर लागू करने पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था के लिए 51 मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने की पहल की भी सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इन संसाधनों की व्यवस्था कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के माध्यम से की गई है, जिससे शासन पर अतिरिक्त वित्तीय भार डाले बिना नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने का सकारात्मक प्रयास किया गया है।

पुलिस में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार पुलिस विभाग सहित सभी विभागों में मानव संसाधन और व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस विभाग में 18,500 पदों पर भर्ती का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में रिक्त पदों को भरने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। प्रदेश में विभिन्न विभागों में कुल 85 हजार पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने ने आगामी वर्ष को युवा वर्ष के रूप में मनाने की बात कही और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की विशेष परीक्षाएं आयोजित करने का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन, नई जांच पद्धतियों, फॉरेंसिक सुविधाओं और संशोधित आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

प्रदेश के पुलिस बलों में होंगे पुलिस बैंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी और 15 अगस्त भी शासन और प्रशासन के लिए गौरव तथा उत्साह के अवसर हैं। प्रदेश के प्रत्येक जिले और पुलिस बल में पुलिस बैंड की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में पहल की जा रही है। इसके लिए 750 पदों पर भर्ती किए जाने की बात भी उन्होंने कही।

पुलिसकर्मियों के समर्पण और महिला शक्ति को किया नमन

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मी अपने परिवार से दूर रहकर चौबीसों घंटे नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। उनका समर्पण, दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा विशेष सम्मान की पात्र है। पुलिसकर्मियों के परिवार भी उनके दायित्वों के निर्वहन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसलिए उनके कल्याण के लिए भी सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यक्रम में गार्ड ऑफ ऑनर में महिला पुलिसकर्मियों की सहभागिता के नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि क्षमता और दक्षता किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं।

दुनियाभर में छिड़ी बहस

सऊदी में बांग्लादेशी जोड़े को मिली मौत की सजा: ढाका ने जताया विरोध

एजेन्सी, रियाद/ढाका



सऊदी अरब के मक्का क्षेत्र में स्थित एक मस्जिद की पवित्रता भंग करने और गंभीर अनैतिक कृत्य के आरोप में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मौत की सजा दी गई है। सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) के अनुसार, बांग्लादेशी जोड़े को यह सजा 14 अक्तूबर को दी गई। बांग्लादेश ने बिना किसी पूर्व सूचना अपने नागरिकों को सजा देने पर सऊदी अरब के समक्ष कड़ा विरोध जताया है।

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने सऊदी राजदूत से आधिकारिक तौर पर स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं, एसपीए ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही उस कहानी को साफ तौर पर खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया जा रहा था कि नवविवाहित जोड़े को सिर्फ माथा चूमने के कारण फांसी दी गई है। सऊदी गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, सजा पाए नागरिकों की पहचान नजरुल इस्लाम अब्दुल बासिर और सीती अख्तर के रूप में हुई है। दोनों मस्जिद के भीतर घोर अनुचित और अश्लील कृत्य करते हुए पाए गए थे, जिसे अदालत ने मस्जिद की मयार्दा के खिलाफ एक बड़ा अपराध माना।

अफवाहों का खंडनः घटना के बाद इंटरनेट पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा थी, जिसमें कहा गया कि एक पाकिस्तानी नागरिक ने उस जोड़े का वीडियो बनाया जो उमराह के दौरान मस्जिद में एक-दूसरे के प्रति स्नेह जता रहे थे।

राजपरिवार की पारंपरिक धार्मिक परंपराओं का निर्वहन

विजयादशमी पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने निभाई पारंपरिक पूजा-अर्चना की परंपरा, पूर्वजों को किया नमन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



विजयादशमी के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में सिंधिया राजपरिवार की पारंपरिक धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। इस दौरान उनके पुत्र महाआर्यमन सिंधिया भी साथ रहे। दोनों पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए।

विजयादशमी के अवसर पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया सबसे पहले ग्वालियर स्थित अपने पैतृक गोरखी मंदिर के देवघर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कुलदेवताओं का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात वे मांढरे वाली माता मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सिंधिया परिवार की दशहरा परंपरा में मांढरे वाली माता के दर्शन और शमी पूजन का विशेष महत्व रहा है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया छतरी पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पूर्वजों का स्मरण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इन धार्मिक आयोजनों के माध्यम से उन्होंने परिवार की ऐतिहासिक विरासत और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। सिंधिया राजपरिवार में विजयादशमी पर पारंपरिक वेशभूषा में पूजा-अर्चना और शस्त्र पूजन की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। यह परंपरा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, धर्म के प्रति आस्था तथा शक्ति, साहस और कर्तव्य के प्रतीकों से जुड़ी मानी जाती है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सभी देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं।

भारत का पाकिस्तान को दो टूक

'आतंकियों को मदद देने वालों की खैर नहीं': राजनाथ सिंह

एजेन्सी, दुशान्बे



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एससीओ(शंघाई सहयोग संगठन) की 'काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट' की बैठक में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। एससीओ के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के समय में आतंकवाद शांति और विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बना हुआ है। गौरतलब है कि आतंकवाद के खिलाफ राजनाथ सिंह की इस टिप्पणी के दौरान पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार भी वहां मौजूद थे।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'आतंकवाद न केवल निर्दोष लोगों की जान लेता है, बल्कि निवेश और व्यापार को भी बाधित करता है। यह समाज में कट्टरता फैलाता है और हमारे युवाओं को उन अवसरों से वंचित करता है, जिनके वे हकदार हैं।' रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, 'आतंकवाद से निपटने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। जो लोग आतंकवादियों को आर्थिक मदद देते हैं, उनका समर्थन करते हैं या उन्हें सुरक्षित पनाह देते हैं, उनके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आतंकवाद के पूरे तंत्र को मजबूती से और सामूहिक रूप से खत्म किया जाना चाहिए।'

पीएम बताए देश के तीन दुश्मनः रावण दहन में शामिल हुए मोदी

सभी दल राष्ट्रहित के लिए एक साथ खड़े हों: पीएम नरेन्द्र मोदी

एजेन्सी, नई दिल्ली



विजयदशमी के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन में दशहरा समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम, माता जानकी और बजरंगबली के चरणों में नमन करते हुए देशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज भारत के हर कोने, गांव और शहर में भगवान श्रीराम की भक्ति और उनके आदर्शों की गूंज सुनाई दे रही है तथा पूरा देश रामलीला के उत्साह में डूबा हुआ है। देशभर में आयोजित रामलीलाएं भगवान श्रीराम के आदर्शों और उनकी शिक्षाओं को जीवंत बनाए रखने की परंपरा का प्रतीक हैं। विजयादशमी का पर्व अत्याचार और आतंक के अंत की उद्घोषणा करता है तथा यह इस शाश्वत विश्वास को दशार्ता है कि अंततः सत्य की असत्य पर विजय होती है। इस दौरान पीएम मोदी ने देश के तीन दुश्मन भी बताए।

'आज भारत का कोना-कोना राममय'

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि देशभर में रामलीलाओं का मंचन, प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा, अत्याचार और आतंक के अंत का उद्घोष और असत्य पर सत्य सनातन की विजय का विश्वास... हमारे लिए ये केवल त्योहार नहीं है, ये भारत की प्राण ऊर्जा है। इस देश ने, इसकी संस्कृति ने और इसके पूर्वजों ने हजारों वर्षों से प्रभु श्रीराम की उपासना की है।ये आस्था केवल इसलिए नहीं है कि श्रीराम ने राक्षस राज रावण का अंत किया था। ये आस्था इसलिए भी है क्योंकि प्रभु राम ने हमें ऐसे आदर्श दिए जो मानवता के इतिहास में अतुलनीय है।

'श्रीराम ने हर परिस्थिति में धर्म और सत्य का पालन किया'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भगवान श्रीराम न तो राजा बनने की संभावना से अत्यधिक प्रसन्न हुए और न ही वनवास जाने की परिस्थिति से दुखी। तमाम कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्होंने धर्म का पालन किया और सत्य की स्थापना की। उनका जीवन सिखाता है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति को अपने कर्तव्यों और सिद्धांतों से पीछे नहीं हटना चाहिए।

पीएम मोदी ने बताए देश के तीन दुश्मन

दशहरा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे विचार समान हो, हमारी समितियां अर्थात राष्ट्र की सभी संस्थाएं, सभी राजनीतिक दल... राष्ट्रहित के लिए एक साथ खड़े हों। हमें इसी भावना पर चलना होगा, हमें देश के दुश्मनों के साथ मिलकर लड़ना होगा। देश को चोट पहुंचाने वाली ताकतें, समाज को बांटने वाले लोग, हमारी संस्कृति से नफरत करने की मानसिकता... ये देश के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा, रामराज्य का मतलब सबके न्याय का होता है और सत्ता का मतलब जनकल्याण होना चाहिए। समाज को बांटने वाले देश के दुश्मन हैं। इन्हें पहचानना होगा। हम सभी को देश के दुश्मनों से मिलकर लड़ना होगा। बुराईयों के खिलाफ सभी को साथ आना होगा। यह हमारे लिए त्यौहार नहीं भारत की प्राण ऊर्जा है। भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बड़ी सीख मिलती है कि संकट कितना भी बड़ा हो और चुनौती कितनी भी कठिन, हमें दूसरों के भरोसे बैठकर इंतजार नहीं करना चाहिए। हमें अपनी शक्ति को पहचानना चाहिए, अपने संसाधनों पर विश्वास करना चाहिए, अपने संकल्प को ताकत में बदलना चाहिए और कड़ी मेहनत के माध्यम से समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और सुरक्षा की कामना की

पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी पर्व: परंपरा और अनुशासन के साथ हुआ शस्त्र पूजन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर:





विजयादशमी के पावन अवसर पर जबलपुर के पुलिस लाइन परिसर में पारंपरिक और भव्य 'शस्त्र पूजन' समारोह का आयोजन किया गया। अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक इस पर्व पर पुलिस विभाग के जवानों और अधिकारियों ने अपने-अपने हथियारों और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। उनके साथ जबलपुर के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, स्थानीय जन प्रतिनिधि और पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं पुलिस अधिकारियों ने हथियारों पर रोली-अक्षत लगाकर पुष्प अर्पित किए और आरती उतारी। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा बलों की कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस बल के लिए उनके शस्त्र केवल सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि कर्तव्य और जनता की रक्षा का प्रतीक हैं। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जो बल को ऊर्जा, साहस और अनुशासन की प्रेरणा देती है। समारोह के दौरान वक्ताओं ने शस्त्रों की नियमित देखभाल और उनकी साफ-सफाई के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि: सुरक्षा के प्रति सजगता: शस्त्र पूजन का एक मुख्य उद्देश्य जवानों को अपने हथियारों की सही देखभाल और रखरखाव के प्रति सजग बनाना है। अनुशासन का प्रतीक: ड्यूटी के दौरान हथियार पूरी तरह चालू और सुरक्षित स्थिति में रहें, यह पुलिस अनुशासन का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। सेवा भावना: हथियारों का सम्मान यह याद दिलाता है कि इनका उपयोग समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने और निर्दोषों की रक्षा के लिए ही होना चाहिए। पूजन अनुष्ठान के संपन्न होने के बाद पूरे पुलिस बल और मध्य प्रदेश के नागरिकों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक भारतीय संस्कृति और पुलिस बल के कठोर अनुशासन की एक सुंदर झलक देखने को मिली। समारोह के अंत में मंत्री राकेश सिंह ने सभी पुलिसकर्मियों और प्रदेशवासियों को विजयादशमी की बधाई दी और पुलिस विभाग के जवानों के साहस व समर्पण की सराहना की। शस्त्र पूजन में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उनके साथ पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और पुलिस बल के जवान भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि शस्त्र पूजन का मकसद पुरानी परंपरा को बनाए रखना है। साथ ही हथियारों की साफ-सफाई, उनकी देखभाल और सुरक्षा के प्रति सजग रहना भी इसका उद्देश्य है। पुलिस बल में हथियारों का सम्मान उनकी ड्यूटी और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ पुलिस टीम और प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की गई। आयोजन में पारंपरिक संस्कृति और पुलिस अनुशासन एक साथ दिखाई दिए।

गोदाम में भरा था माल, धमाके के साथ उड़ा शेड

जबलपुर। पारले-जी फैक्ट्री में लगी आग से उस वक्त आस-पास के फैक्ट्री के जिस हिस्से में आग लगी थी और उसमें तैयार करीब एक हजार टन के बिस्किट व पैकेजिंग मटेरियल सहित अन्य सामान रखा हुआ था। मशीनें व आयल सहित अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से भड़की जिससे गोदाम का शेड भी धमाके के साथ उड़ गया। धमाका सुनकर लोग दहल गए। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार फैक्ट्री में बिस्किट बनाने के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य मटेरियल, पैकेजिंग मैटेरियल और खाद्य तेल सहित ज्वलनशील सामग्री भी थी जिसके कारण आग तेजी से फैली। गनीमत रही कि फैक्ट्री में सोमवार को छुट्टी होने के कारण कर्मचारियों की संख्या कम थी। घटना के समय केवल 12 से 15 कर्मचारी ही मौजूद थे। फैक्ट्री संचालक रामगोपाल अग्रवाल का कहना है कि काम नहीं हो रहा था, केवल मशीनों का मेंटेनेंस चल रहा था। इसलिए जैसे ही आग लगी, मौके पर मौजूद सभी कर्मचारी बाहर निकल गए। इस वजह से भीषण आग के बावजूद किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।आग फैक्ट्री के एक हिस्से में लगी थी। नगर निगम के दमकल कर्मियों ने आग बुझाना शुरू कर दिया।

संघमित्रा एक्सप्रेस में मुंह छिपाकर लेटा था डकैत, साइबर सेल की सूचना पर आरपीएफ ने जबलपुर में दबोचा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



डकैती समेत कई गंभीर अपराधों में आरोपी ट्रेन में मुंह छिपाकर यात्रा कर रहा था, लेकिन साइबर सेल की सूचना पर आरपीएफ ने उसे जबलपुर स्टेशन पर दबोच लिया। आरोपी संघमित्रा एक्सप्रेस के जनरल कोच में सीट पर लेटा मिला। पहचान के बाद संबंधित पुलिस के सुपुर्द किया पूछताछ और फोटो से पहचान की पुष्टि होने पर उसे संबंधित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ थाना प्रभारी राजीव खबर के अनुसार, सिंगरौली साइबर सेल से सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 12296 संघमित्रा एक्सप्रेस में डकैती का आरोपी छिपकर यात्रा कर रहा है। जबलपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-एक पर पहुंची ट्रेन सुबह 8:33 बजे जबलपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-एक पर पहुंची। इसके बाद उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार और स्टाफ ने साइबर सेल की टीम के साथ आगे-पीछे के जनरल कोचों की तलाशी ली। इस दौरान संदिग्ध उत्तर प्रदेश का सोनभद्र निवासी राहुल कुमार (23) मिला। आरोपित के विरुद्ध विंध्यनगर थाने में डकैती, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज है। आरपीएफ ने उसे सिंगरौली पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

दशहरा पर घूमने आए युवक की पुलिस हिरासत में मौत परिजनों का आरोप-थाने में पीट-पीटकर मार डाला

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर में दशहरा घूमने आए 24 वर्षीय आकाश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उसे थाने ले गई थी, जहां उसके साथ मारपीट की गई। उनका दावा है कि पिटाई के कारण उसकी मौत हुई। वहीं, पुलिस का कहना है कि युवक नशे की हालत में था और थाने में बैठाने के कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मामले में एसपी ने कोर्ट से ज्यूडिशियल जांच कराने का निवेदन किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। आकाश शहपुरा का रहने वाला था। उसके परिवार का कहना है कि वह दशहरा पर घूमने जबलपुर आया था। सोमवार रात करीब 9 बजे महाकाली माता के दर्शन के दौरान वह मोबाइल से फोटो और वीडियो बना रहा था। इसी दौरान पुलिसकर्मी उसे पकड़कर लार्डगंज थाने ले गए। आकाश के छोटे भाई विवेक चौधरी ने बताया कि वह सोमवार रात अपने भाई के साथ दशहरा घूमने आया था। रात करीब 9 बजे काली माता के दर्शन के दौरान आकाश भीड़ में फोटो और वीडियो बना रहा था। इसी दौरान पुलिसकर्मियों को शक हुआ कि वह नशे में है और वे उसे लार्डगंज थाने ले गए। विवेक के मुताबिक, वह भी पीछे-पीछे थाने पहुंचा था। वहां उससे कहा गया कि वह घर चला जाए, सुबह उसके भाई को छोड़ दिया जाएगा। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 4 बजे कोटवार ने फोन कर बताया कि आकाश की मौत हो गई है। आकाश की मां ममता चौधरी ने बताया कि सोमवार दोपहर आकाश अपने छोटे भाई और दोस्तों के साथ जबलपुर आया था। रात करीब 9 बजे पुलिस उसे पकड़कर थाने ले गई। मां का आरोप है कि छोटा भाई थाने पहुंचा तो उसे वहां से भगा दिया गया। इसके बाद पुलिस ने आकाश के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। ममता ने कहा कि जब पुलिस आकाश को पकड़कर ले गई थी, तब उसके पास मोबाइल था। पुलिस चाहती तो रात में परिवार को फोन कर जानकारी दे सकती थी।

वेटरनरी कॉलेज के छात्रावास में रैगिंग कनिष्ठ विद्यार्थियों को धमकाया

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कॉलेज, विश्वविद्यालय और वेटरनरी कार्उंसिल आआफ इंडिया को भेजी गई शिकायत में वरिष्ठ विद्यार्थियों पर नए छात्रों के बाल कटवाने, पहनावे पर रोक लगाने और मोबाइल इस्तेमाल नहीं करने देने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता का नाम सामने नहीं आया है। कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच समिति बनाई है। शिकायत में छात्राओं की सुरक्षा और छात्रावास की बुनियादी स्वच्छता व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि वरिष्ठ विद्यार्थियों ने कनिष्ठों को धमकाया, मोबाइल फोन के इस्तेमाल और अभिभावकों से बातचीत पर रोक लगाई तथा शिकायत करने पर कार्रवाई की धमकी दी। बाल काटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कथित तौर पर जबरन बाल काटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में दिखाई दे रहे कनिष्ठ विद्यार्थी के चेहरे पर मुस्कान है, जो शिकायत में लगाए गए आरोपों से अलग नजर आती है। 11 अक्टूबर 2026 को भेजे गए शिकायत पत्र के अनुसार, प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने वरिष्ठों द्वारा अपमानित और डराए जाने की बात कही है। आरोप है कि कनिष्ठों पर सिर झुकाकर रहने, उपस्थिति के मामले में वरिष्ठों का नियंत्रण स्वीकार करने और निर्धारित पहनावे का पालन करने का दबाव है।

शिक्षकों की वरिष्ठता सूची में सुधार का अंतिम अवसर जबलपुर में 25 अक्टूबर तक कर सकेंगे दावा-आपत्ति

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



प्रदेश के हजारों माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए अपनी वरिष्ठता संबंधी जानकारी दुरुस्त कराने का अंतिम अवसर दिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल ने एक अप्रैल 2026 की स्थिति में तैयार अंतरिम पदक्रम सूची जारी कर दी है। सूची में दर्ज विवरण में किसी तरह की त्रुटि होने पर शिक्षक 25 अक्टूबर तक संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद सूची में सुधार का अवसर नहीं मिलेगा। संचालनालय ने इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। यदि नाम, सेवा संबंधी विवरण या अन्य प्रविष्टियों में कोई अंतर मिलता है, तो संबंधित शिक्षक को आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करना होगा। शिक्षकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों की शुरुआती जांच संकुल प्राचार्य करेंगे। इसके लिए अभ्यावेदन में दी गई जानकारी का संबंधित शिक्षक के सेवा अभिलेखों से मिलान किया जाएगा। परीक्षण के बाद नियमानुसार अपनी टिप्पणी दर्ज कर सभी प्रकरणों को जिला शिक्षा अधिकारी के पास भेजा जाएगा। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी स्तर पर गठित समिति इन आवेदनों की समीक्षा करेगी। समिति सेवा अभिलेखों के आधार पर तथ्यों की जांच कर आवश्यक सुधार की प्रक्रिया पूरी करेगी।

दशहरे पर जबलपुर से राम का हरण

जबलपुर। जबलपुर के पाटन से भाजपा विधायक अजय विश्नोई की सोशल मीडिया पर पोस्ट के बाद नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार का तबादला चर्चा में आ गया है। विश्नोई ने अहिरवार की तुलना भगवान राम से कर दी, जिस पर कांग्रेस ने आपत्ति ली है। इसके बाद विश्नोई ने अपनी पोस्ट हटा दी। शासन ने दो दिन पहले तबादला आदेश जारी किए हैं, जिसमें अहिरवार को भोपाल नगर निगम आयुक्त बनाया गया है। इसके बाद विश्नोई ने पोस्ट किया कि 'दशहरे के दिन जबलपुर से राम का हरण हो गया।' सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने के बाद लोगों ने इस पर आपत्ति जताई। कांग्रेस नेताओं ने भी उठाए सवाल।

जबलपुर में महाकाली दर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए युवक की मौत, थाने में हंगामा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



लार्डगंज थाना क्षेत्र के गढ़ा फाटक में महाकाली दर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए शहपुरा भभकी निवासी आकाश चौधरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। इस घटना के बाद मृतक के स्वजनों ने पुलिस पर हिरासत में मारपीट और दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं पुलिस ने मारपीट के आरोपों को खारिज करते हुए युवक के अस्वस्थ होने पर अस्पताल ले जाने की बात कही है। मामले में न्यायिक जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मृतक के भाई विवेक चौधरी के अनुसार वह अपने भाई आकाश चौधरी के साथ बाइक से गढ़ा फाटक में महाकाली दर्शन करने गए थे। इस दौरान वे मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। आरोप है कि तभी एक महिला पुलिसकर्मी ने उनका मोबाइल छीन लिया और उसके भाई का कॉलर पकड़कर उसे हिरासत में ले लिया। विवेक का कहना है कि थाने पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने उसके साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की तथा सुबह भाई को छोड़ने की बात कहकर उसे वहां से भगा दिया। हालांकि सुबह घर के कोटवार के माध्यम से भाई की मौत की सूचना मिली। स्वजनों ने युवक की मौत की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। दूसरी ओर पुलिस का पक्ष अलग है। पुलिस के मुताबिक दशहरा दर्शन के दौरान गढ़ा फाटक में भीड़ के बीच अभद्रता और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत समिति के सदस्यों ने की थी। युवक नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था, इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से उसे थाने में बैठाया गया था।

पुलिसकर्मियों पर बेरहमी से मारपीट करने के आरोप

टीआई और ड्राइवर ने पीटा, नो एंट्री पॉइंट पर ड्यूटी कर रहे हवलदार का आरोप

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



फोन कर बताया कि हवलदार ने नंबर दिया

जबलपुर में रविवार देर रात नो-एंट्री पॉइंट पर ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी आपस में भिड़ गए। शहपुरा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक लखन निषाद ने थाना प्रभारी प्रवीण कुमार धुर्वे, उनके ड्राइवर और अन्य पुलिसकर्मियों पर बेरहमी से मारपीट करने, सिर-नाक पर चोट पहुंचाने, दांत तोड़ने और वर्दी फाड़ने के आरोप लगाए हैं।दूसरी ओर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मामला सामने आने के बाद प्रधान आरक्षक को अनुशासनहीनता के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। जानिए कैसे शुरू हुआ विवाद नो-एंट्री पॉइंट पर चेकिंग: वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार रविवार रात शहपुरा के बाहर बैरिकेड लगाकर चेकिंग की जा रही थी। निर्देश थे कि रात 1 बजे से पहले किसी भी भारी वाहन को प्रवेश न दिया जाए। रात 12:30 बजे तक सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। चालक को दिया टीआई का नंबर: भोपाल जा रहे एक ट्रक चालक के बार-बार आग्रह करने पर लखन निषाद ने उसे टीआई प्रवीण कुमार धुर्वे का मोबाइल नंबर दे दिया और कहा कि अगर साहब अनुमति देंगे तो वाहन छोड़ दिया जाएगा। फोन पर बहस से बढ़ा तनाव: चालक ने जब टीआई को है तो टीआई भड़क गए। इसके बाद फोन पर ही टीआई और प्रधान आरक्षक के बीच तीखी बहस हो गई। प्रधान आरक्षक लखन का आरोप है कि फोन पर बहस के कुछ देर बाद टीआई प्रवीण कुमार धुर्वे ड्राइवर राहुल गुप्ता और आरक्षक विकास कुमार के साथ पहुंचे। गाली-गलौज और मारपीट: लखन का कहना है कि टीआई ने उन्हें अपशब्द कहे और विरोध करने पर साथी पुलिसकर्मियों ने उनके हाथ पकड़ लिए। गंभीर चोटें: टीआई और उनके ड्राइवर ने उनके साथ जमकर मारपीट की, जिससे उनका एक दांत टूट गया, चश्मा टूट गया, नाक व सिर पर गंभीर चोटें आईं और वर्दी भी फट गई। थाने में नहीं मिलने दी एंट्री: पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद जब वे लहूलुहान हालत में अपनी गाड़ी लेने थाने पहुंचे तो टीआई के खौफ से साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें अंदर नहीं आने दिया। गंभीर हालत और हाथ में फ्रैक्चर की आशंका को देखते हुए लखन निषाद को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार धुर्वे ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि ग्वालियर हादसे के मद्देनजर नो-एंट्री पॉइंट पर ड्यूटी सख्त की गई थी। हवलदार वाहनों को जल्दी छोड़ने की बात कह रहा था, जिस पर केवल समझाइश दी गई थी।

न्यूज ब्रीफ

विजयादशमी पर डॉक्टरों ने पूजे जीवनरक्षक उपकरण



ग्वालियर। *गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने विजयादशमी पर्व पर मंगलवार को विभिन्न विभागों में पहुंचकर जीवनरक्षक चिकित्सीय उपकरणों की पूजा-अर्चना की। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन के अधिकारी और चिकित्सक भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अधिष्ठाता धाकड़ ने कहा कि अस्पताल में उपयोग होने वाले उपकरण गंभीर बीमारियों, सड़क दुर्घटनाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका विधिवत रखरखाव और सम्मान आवश्यक है। कार्यक्रम में जयारोग्य अस्पताल समूह अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना, अस्पताल प्रबंधक डॉ. अनिल मेवाफरोश सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सक और कर्मचारी उपस्थित थे।*

शताब्दी में यात्री का छूटा बैग, टीटीई ने लौटाकर पेश की मिसाल



ग्वालियर। *भोपाल-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्री का कीमती सामान से भरा बैग छूट गया, जिसे ट्रेन में तैनात टीटीई नीरज त्रिपाठी ने सुरक्षित वापस लौटा दिया। जानकारी के अनुसार ग्वालियर निवासी पंकज सिंह राणा जो मर्चेंट नेवी में कार्यरत हैं, ट्रेन संख्या 12002 शताब्दी एक्सप्रेस के कोच सी-10 की सीट संख्या 13-14 पर सफर कर रहे थे। ग्वालियर स्टेशन पर उतरते समय जल्दबाजी में उनका बैग ट्रेन में ही रह गया। घर पहुंचने पर बैग न होने का अहसास हुआ तो उनके होश उड़ गए। यात्री के अनुसार बैग में पासपोर्ट, कंटीन्यूअस डिस्चार्ज सर्टिफिकेट, विभिन्न देशों की मुद्रा, 4500 अमेरिकी डॉलर, 800 रुपये नकद, करीब 25 हजार रुपये की घड़ी, 15 ग्राम सोना, दो पर्स और चार्जर सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। उन्होंने तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 पर शिकायत दर्ज कराई।*

गाजे बाजे के साथ मां की विदाई, निकले चल समारोह



ग्वालियर। *शारदीय नवरात्र समापन के साथ आज दशहरे के उत्साह के बीच देवी प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हो गया है और देर रात तक भक्त देवी प्रतिमाओं का विसर्जन करने के लिए सागरताल के पास बनाए गए अस्थायी कुंड पहुंचते रहे। ढोल-नगाड़ों और देवी मां के जयकारों के बीच भक्तों ने अपनी प्रतिमाओं को नम आंखों से विदाई दी। आज दशमी को भी सुबह से प्रतिमाओं का विसर्जन जारी है और श्रद्धालु भारी संख्या में सागरताल पहुंचे । नवदुर्गा महोत्सव में स्थापित हुई प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम के माध्यम से सागरताल पर कराई गई। सागरताल पर भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए। नगर निगम ने विसर्जन के लिए अस्थायी कुंड का निर्माण किया है ताकि तालाब का पानी प्रदूषित न हो। साथ ही सफाई और रोशनी की पूरी व्यवस्था की गई है। पुलिस बल लगातार गश्त कर रहा है ताकि भीड़ में अव्यवस्था न फैले। नवरात्र के नौ दिनों तक माता रानी की आराधना करने वाले भक्त दशमी पर विसर्जन के समय भावुक हो उठे।*

ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए सड़क हादसे में 16वीं मौत

52 घंटे बाद जिंदगी की जंग हारे घायल मोतीराम ग्वालियर में बेकाबू ट्रक ने 57 लोगों को रौंदा था

■ एक सत बुलेटिन, गुना



ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए सड़क हादसे में मंगलवार सुबह 16वीं मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल 78 वर्षीय मोतीराम प्रजापति ने इलाज के दौरान लिंक हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। वे मंदिर परिसर में गेट के पास प्रसाद की दुकान चलाते थे। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात (17 अक्टूबर) बेकाबू ट्रक श्रद्धालुओं को रौंदता हुआ आया था, जिसकी चपेट में आने से मोतीराम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के करीब 52 घंटे बाद उनकी मौत से सातऊगांव में शोक की लहर है। हादसे में 57 श्रद्धालु ट्रक की चपेट में आए। 15 लोगों की मौत पहले ही हो चुकी थी। एक और घायल की मौत के बाद मरने वालों की संख्या 16 हो गई है। 41 लोग घायल हैं। मृतकों में 5 किशोर, एक महिला और 8 पुरुष हैं। चोट के कारण नस में जमा था खून का थक्का परिजन मोतीराम को घायल अवस्था में लिंक हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। उनके बेटे भी इसी अस्पताल में नौकरी करते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, हादसे में लगी चोट के कारण उनकी खून की नली में थक्का जम गया था। इसे सुपरफिशियल फीमोरल थ्रोम्बोसिस बताया गया। मोतीराम को 2024 में हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उनके दिल में स्टेंट डाला गया था। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही थी, लेकिन मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मोतीराम मंदिर परिसर के गेट के पास प्रसाद की दुकान लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। हादसे के बाद से उनका लिंक हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। स्वास्थ्य विभाग भी उनकी स्थिति पर नजर रख रहा था। सोमवार शाम अस्पताल पहुंचे थे और मोतीराम व उनके परिजनों से मुलाकात कर हालचाल जाना था। मंगलवार सुबह उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। संजय के बाद कल्पना को भी एयरलिफ्ट कर भोपाल एम्स भेजा हादसे में गंभीर रूप से घायल संजय शर्मा और कल्पना परिहार को बेहतर इलाज के लिए भोपाल एम्स भेजा गया। संजय को सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात 12:10 बजे एयर एम्बुलेंस से शिफ्ट किया गया था। वहीं, 19 वर्षीय कल्पना परिहार को मंगलवार सुबह 11:30 बजे एयर एम्बुलेंस से भोपाल भेजा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार शाम घायलों के इलाज की जानकारी ली थी। उन्होंने उपचार में कोई कमी नहीं आने देने के निर्देश दिए थे। परिवार के साथ दर्शन करने पहुंचे थे संजय शनिवार को श्योपुर निवासी संजय शर्मा परिवार के साथ बैराड़ में एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद वे सहसराम गांव में अपने भाइयों से मिलने गए। वहां से बड़े भाई महेश को साथ लेकर ग्वालियर आए थे। संजय यहां मकान बनवा रहे थे और चाहते थे कि महेश निर्माण कार्य की देखरेख करें। संजय अपने दोनों बेटों, पत्नी छाया और भाई महेश के साथ शीतला माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। रात करीब 1:30 बजे हुए हादसे में महेश और मासूम शौर्य की मौत हो गई, जबकि संजय गंभीर रूप से घायल हो गए। दरअसल, मंदिर के नो एंट्री वाले रास्ते में धान से भरे दो ओवरलोड ट्रक 7 किलोमीटर तक घुस आए। संकरे रास्ते और मंदिर के पास की खड़ी ढलान पर पहुंचते-पहुंचते एक ट्रक तो रुक गया जबकि नंबर का दूसरा ट्रक बेकाबू होकर नीचे की ओर लुढ़कता चला गया। ढलान से उतरता बेकाबू ट्रक दुकानों और श्रद्धालुओं को रौंदते हुए आगे बढ़ रहा था। तभी सामने मंदिर का करीब 200 साल पुराना सीमेंट-कंक्रीट का गेट आ गया। ट्रक उससे टकराया और वहीं रुक गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि ट्रक गेट से नहीं टकराता और आगे बढ़ता रहता, तो दर्शन के लिए कतार में खड़े दूसरे श्रद्धालु भी उसकी चपेट में आ सकते थे।

शहीद हुए साधुओं के अस्त्रों की पूजा, तोमर बोले- देश की विजय यात्रा में योगदान दें

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में विजयादशमी का पर्व परंपरा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शस्त्रों, शास्त्रों और वाहनों का पूजन किया गया। पुलिस विभाग की ओर से पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हुए। वहीं, ऐतिहासिक गंगादास की बड़ी शाला में सैकड़ों वर्ष पुराने अस्त्र-शस्त्रों का पूजन और प्रदर्शन किया गया। यहां अखाड़े के साधुओं ने पारंपरिक युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर अपनी शौर्य परंपरा का परिचय दिया। शहर के विभिन्न इलाकों में वैश्य, क्षत्रिय सहित अन्य समाजों ने भी सामूहिक रूप से दशहरा पूजन किया। लोगों ने शस्त्रों और वाहनों की पूजा-अर्चना कर बुराइयों को त्यागने और अच्छाई के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विजयादशमी पर पुलिस लाइन में पुलिस विभाग की ओर से शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने परंपरानुसार शस्त्रों और वाहनों का पूजन कर देश की सुख-समृद्धि और सुरक्षा की कामना की। नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि दशहरा भारतीय संस्कृति का प्रमुख त्योहार है, जो शक्ति और विजय का प्रतीक है। पूरे देश में यह पर्व उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन शस्त्र पूजन के साथ शमी के वृक्ष की पूजा करने की भी परंपरा है।

ग्वालियर के फोटोग्राफर ने खींची साईं बाबा की दुर्लभ तस्वीर सिंधिया महाराजा के आदेश पर शिर्डी पहुंचे थे केएच मावल

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दुनियाभर में साईं बाबा के भक्तों के घरों और शिरडी के साईं मंदिर में उनकी एक प्रसिद्ध तस्वीर लगी है। इस तस्वीर में साईं बाबा दीवार से टिककर खड़े हैं। उनके चेहरे पर हल्की मुस्कान है और एक हाथ से कुर्ता पकड़ा हुआ है। इस दुर्लभ तस्वीर का संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। इसे ग्वालियर के फोटोग्राफर केएच मावल ने अपने कैमरे में कैद किया था। केएच मावल सिंधिया स्टेट के आधिकारिक फोटोग्राफर थे। उन्होंने ग्वालियर में फोटोग्राफी की शुरुआत की और 'केएच मावल एंड संस' नाम से अपनी कंपनी बनाई थी। महाराजा माधवराव सिंधिया आदेश पर गए थे शिरडी अगस्त 1916 में ग्वालियर के तत्कालीन महाराजा माधवराव सिंधिया प्रथम ने केएच मावल को महल में बुलवाया और शिरडी जाकर साईं बाबा की तस्वीर खींचने का आदेश दिया। बाबा के दर्शन करने और उनकी तस्वीर लेने का अवसर मिलने पर मावल कैमरा लेकर शिरडी के लिए रवाना हो गए। केएच मावल के पोते लारेब ने बताया कि उनके दादा शिरडी पहुंच गए थे, लेकिन साईं बाबा की तस्वीर लेना आसान नहीं था। उस समय बाबा अस्वस्थ थे और बहुत कम बाहर निकलते थे। इस वजह से मावल को उनकी तस्वीर लेने के लिए शिरडी में दो महीने तक इंतजार करना पड़ा। काफी समय तक इंतजार करने के बाद मावल ने साईं बाबा के साथ रहने वाले सेवकों से बात की और उनसे तस्वीर लेने के लिए मदद मांगी। सेवकों ने कहा कि जब बाबा बाहर निकलेंगे, तो वे मावल को बता देंगे कि वे किस रास्ते से गुजरेंगे। इसके बाद मावल उनकी तस्वीर ले सकेंगे। एक दिन मावल को सूचना मिली कि साईं बाबा एक खास रास्ते से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही उन्होंने कैमरा तैयार कर लिया और इंतजार करने लगे। जब बाबा वहां से गुजरे, तो कमजोरी और बीमारी के कारण एक दीवार से टिककर खड़े हो गए। उसी समय केएच मावल ने उनकी तस्वीर कैमरे में कैद कर ली।

फायर ब्रिगेड एवं कार्यशाला विभाग में वाहनों का पूजन



■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

विजयादशमी दशहरा के पावन पर्व के अवसर पर नगर निगम ग्वालियर के फायर ब्रिगेड मुख्यालय पर फायर गाड़ियों एवं डीजल पंप पर मशीनों एवं अन्य सभी वाहनों का पूजन किया गया। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल के सदस्य विनोद यादव माठू, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी, अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, मुनीष सिंह सिकरवार, कार्यपालन यंत्री पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी रजनीश गुप्ता, फायर ऑफिसर उमंग प्रधान एवं सुश्री ग्रीष्म आर्या सहित अन्य सभी अधिकारियों ने निगम के सभी वाहन एवं फायर ब्रिगेड के वाहन की पूजा की। कर्मचारियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दी।

शाही अंदाज में दिखे ज्योतिरादित्य सिंधिया और महाआर्यमन

ग्वालियर। ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके बेटे महाआर्यमन सिंधिया ने मंगलवार को गोरखी स्थित देवघर में विजयादशमी की परंपरा निभाई। शाही पारंपरिक लिबास में पहुंचे दोनों ने राज परिवार के पुरोहितों के विधि-विधान से पूजन कराने के बाद शस्त्र पूजन किया। इसके बाद सिंधिया परिवार की छत्रियों पर पहुंचकर पूर्वजों और दिवंगत आत्माओं का स्मरण किया और उनका आशीर्वाद लिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया के पहुंचने से पहले उनकी पत्नी प्रियदर्शिनी राजे देवघर पहुंची थीं। उन्होंने महानवमी पर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद परंपरा के अनुसार कन्या भोज कराया और कन्याओं को वस्त्र प्रदान किए। मंगलवार सुबह जयविलास पैलेस से सीधे गोरखी देवघर पहुंचे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विधि-विधान से पूजा और शस्त्र पूजन किया।इसके बाद वे सिंधिया परिवार की छत्रियों पर पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्वजों और दिवंगत आत्माओं का स्मरण कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्हें देखने और अभिवादन करने के लिए छत्री प्रांगण में बड़ी संख्या में आमजन और समर्थक मौजूद रहे। सिंधिया राजघराना सदियों पुरानी परंपराओं का पालन करता आ रहा है।



जीतू पटवारी आज आएंगे, पीड़ित परिवारों से मिलकर व्यक्त करेंगे शोक संवेदनाएं

■ *एक सत बुलेटिन, ग्वालियर*

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी आज बुधवार, दिनांक 21 अक्टूबर को ग्वालियर प्रवास पर आ रहे हैं। इस दौरान वे विगत दिनों शीतला माता मंदिर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त करेंगे तथा पीड़ित परिवारों के दुख में सहभागी बनेंगे। साथ ही हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेंगे और उनके उपचार की व्यवस्थाओं का जायजा भी लेंगे। जीतू पटवारी 21 अक्टूबर को प्रातः 9:40 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर पहुंचेंगे। प्रातः 11 बजे गदाईपुरा, हजीरा में स्व. हेमंत राठौर के निवास पर, 11:15 बजे गदाईपुरा में लव त्यागी एवं अमन त्यागी के निवास पर तथा 11:30 बजे गदाईपुरा, हजीरा में स्व. पवन राठौर के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे रिम्स हॉस्पिटल, गोले का मंदिर पहुंचकर हादसे में घायल लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी लेंगे। दोपहर 1 बजे मेला ग्राउंड, दुल्लापुर में स्व. रितेश के परिजनों से मुलाकात करेंगे। दोपहर 1:30 बजे थाटीपुर, चौहान प्याऊ में स्व. प्रिंस उर्फ छोटू जाटव के निवास पर, दोपहर 2 बजे महलगांव की गली नंबर-1 में स्व. सतेंद्र सिंह गुर्जर के निवास पर, दोपहर 2:30 बजे हनुमान पहाड़ी, राजीव नगर में स्व. श्रीमती सरला तोमर के निवास पर, दोपहर 3 बजे महेशपुरा, सिकंदर कंपू में स्व. दिव्यांश कुशवाह के निवास पर तथा दोपहर 3:30 बजे ग्राम सातऊ में स्व. मोतीलाल प्रजापति के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे और घायलों से मुलाकात करेंगे।

15 मौतों के बाद 50 लाख का कारोबार ठप

शीतला माता मेले से लौटे व्यापारी, बोले-कोरोना के बाद भी नहीं थे ऐसे हालात

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर के सातऊ गांव स्थित शीतला माता मंदिर में हर साल अष्टमी और नवमी पर लाखों श्रद्धालु पहुंचते थे। मेले में खिलौने, प्रसाद, झूले और गृहस्थी के सामान की दुकानों पर खूब खरीदारी होती थी, लेकिन इस बार सन्नाटा पसरा है। 17 अक्टूर की रात हुए ट्रक हादसे में 15 लोगों की मौत के बाद श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम हो गई है। इसका असर कारोबार पर भी पड़ा है। व्यापारियों के मुताबिक, दो दिन में 50 लाख रुपए से ज्यादा का कारोबार प्रभावित हुआ है। हालात ऐसे हैं कि नवमी से पहले ही करीब 80% दुकानें बंद हो गई। दूसरे जिलों और राज्यों से आए व्यापारी सामान समेटकर लौट रहे हैं। उनका कहना है कि कोविड महामारी के बाद भी मेले में ऐसे हालात नहीं बने थे। सोमवार को दुर्गा नवमी पर मेला ग्राउंड पहुंची तो ज्यादातर दुकानें बंद थीं। जिन रास्तों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रहती थी, वहां दुकानदार सामान समेटते नजर आए। कई व्यापारियों के लिए दुकान तक सामान लाने का भाड़ा निकालना भी मुश्किल हो गया। मंदिर में एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी उम्मीद में छोटे-बड़े व्यापारी 9 दिन तक दुकानें लगाते हैं, लेकिन इस बार हादसे के बाद भीड़ काफी कम रही। नुकसान से परेशान कई दुकानदारों ने नवमी की रात तक रुकने के बजाय पहले ही लौटने का फैसला किया। छतरपुर से परिवार के साथ आई दर्पण पांच साल से मंदिर में खिलौनों की दुकान लगा रही हैं। वह 9 दिन के मेले में अच्छी कमाई की उम्मीद लेकर आती हैं, लेकिन इस बार ग्राहकी नहीं होने से निराश हैं। दतिया से आई दामिनी पहली बार मेले में दुकान लगाने पहुंची थीं। उन्हें अच्छे कारोबार की उम्मीद थी, लेकिन हादसे के बाद ग्राहकी नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय लोग दुकानदारों से रुपए मांगते हैं और पैसे नहीं देने पर मारपीट करते हैं। दामिनी के मुताबिक, बिजली के लिए रोजाना 200 रुपए और दुकान लगाने की जगह के लिए 500 रुपए अलग से देने पड़ते हैं। उन्होंने इसे लेकर भी नाराजगी जताई। ग्वालियर की मंजिता देवी ने हादसे के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मंदिर मार्ग पर बाइक तक नहीं निकलने दी जाती तो ट्रक वहां कैसे पहुंच गया? उनके मुताबिक, करीब एक लाख रुपए का सामान नहीं बिक सका।





संपादकीय

कारोबार के पेट पर लात

कांग्रेस 1 नवंबर को राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक ह्यरामलीला मैदानह्न में रैली करेगी। समाजवादी पार्टी का भी साथ रहेगा। दिल्ली पुलिस ने इजाजत भी दे दी है। 25 अक्तूबर से 3 नवंबर तक ह्यअनापत्ति प्रमाण-पत्रह्न (एनओसी) भी जारी कर दिया गया है। कांग्रेस दावा कर रही है कि 5 लाख से अधिक लोग जनसभा के दौरान आवाजाही करेंगे। यदि यही स्थिति रही, तो दिल्ली की उन सडकों पर जन-सैलाब होगा, यातायात बहुत बुरी तरह बाधित होगा, दुर्घटनाएं भी संभव हैं! क्या पुलिस ने ये तमाम आकलन कर लिए हैं? ह्यरामलीला मैदानह्न की घोषित क्षमता 60-65 हजार है, लेकिन एक लाख तक की भीड़ हमने देखी है।

जयप्रकाश नारायण से बाबा रामदेव और अन्ना हजारे तक कई जनसभाओं के संबोधन इतिहास में दर्ज हैं। उन्होंने समय की धारा को मोड़ा है, नई जन-चेतना पैदा की है, लिहाजा सत्ताएं झुकीं और बदली भी हैं, लेकिन देश की भ्रष्ट व्यवस्था, सांप्रदायिक मानसिकता, वर्ग-भेद और बेरोजगारी-गरीबी लगभग यथावत मुद्दे आज भी हैं। बल्कि ये राष्ट्रीय समस्याएं हैं।

अभी तक जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस के आसपास जो हुड़दंग मचाए गए, कहने को विरोध-प्रदर्शन किए गए, लिहाजा कारोबार ठप हुआ, लेकिन वे स्थितियां अब ह्यरामलीला मैदानह्न तक फैल सकती हैं। संवैधानिक और मानवाधिकार व्यापारी-वर्ग, दुकानदारों, रेहड़ी-फुटपाथ वाले कारोबारियों के भी हैं। बुनियादी मुद्दा ह्यवोट चोरीह्न का नहीं, प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत और ह्यसबसे क्रूर खलनायकह्न मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता हैं।

कांग्रेस और उसके समर्थन में विपक्ष अभी से 2029 की चुनावी रणनीति पर सक्रिय हैं, ताकि भाजपा-एनडीए के हाथ से जनादेश छीना जा सके। इसी रणनीति के तहत कभी यूथ कांग्रेस, कभी एनएसयूआई के कथित छात्र, तो कभी कोई और संगठन, तो निर्णायक तौर पर राहुल गांधी सडक पर उतर कर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। बेशक यह उन सभी का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन व्यापार का बेड़ागर्क किया जाए, त्योहारी मौसम में भी दुकानों पर ताले जड? पड़ें और अंततः 20,000 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान सामने हो, तो कदाचित ये संविधान में प्रावधान नहीं हैं। व्यापार-संगठनों के आकलन हैं कि हालिया विरोध-अराजकता के कारण खुदरा कारोबार का 1800 करोड़ रुपए और थोक व्यापार का 300 करोड़ रुपए नुकसान हो चुका है।

कनॉट प्लेस, जनपथ में ही करीब 80 फीसदी और पालिका बाजार, खान मार्केट में करीब 90 फीसदी व्यापार घट चुका है। खरीददारों की संख्या औसतन 2 लाख प्रतिदिन से घट कर 30-40 हजार पर आ चुकी है। लोग फोन पर पूछते हैं कि क्या मेट्रो चल रही है? क्या पुलिस, सुरक्षा बलों की किलेबंदी है या कम हो गई है? नई दिल्ली के ह्यलुटियंस क्षेत्रह्न में, जहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद, न्यायाधीश रहते हैं, वहां अब भी 27-28 हजार जवान तैनात हैं!

क्या किसी युद्ध की आशंका है? व्यापारिक संगठनों के ही मुताबिक, बीते साल नवरात्रि से दीपावली और छठ पूजा तक के त्योहारी मौसम में 6 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया गया था। इस बार हालात ये हैं कि करीब 50,000 दिहाड़ीदार मजदूरों को काम ही नसीब नहीं हो पा रहा है। यदि दीपावली तक माहौल शांत नहीं हुआ, तो कुल नुकसान 20,000 करोड़ रुपए तक जा सकता है। लिहाजा व्यापारियों ने सरकार से राहत पैकेज मांगा है।

ग्रे वाटर प्रबंधन : समस्या से समाधान तक

अरविंद गुलेरिया

> महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी विकास खंड के करंजवन गांव में लगभग 5256 लोगों से उत्पन्न करीब एक लाख लीटर ग्रे वाटर प्रतिदिन के उपचार के लिए छोटी पाइपलाइन आधारित निकासी व्यवस्था और लगभग आधे एकड़ क्षेत्र में वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पोंड बनाया गया। उपचारित पानी का उपयोग ग्राम पंचायत की लगभग 5 एकड़ भूमि में सिंचाई के लिए किया जाता है।

ग्रे वाटर यानी धूसर जल वह अपशिष्ट पानी है जो हमारे घरों में रसोई, स्नानघर, कपड़े धोने और बर्तन साफ करने से निकलता है, जिसमें शौचालय का पानी शामिल नहीं होता। वर्तमान समय में जल संकट का सामना कर रहे भारत के लिए ग्रे वाटर का सही प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुका है। भारत में कुल घरेलू जलापूर्ति का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा ग्रे वाटर में बदल जाता है। जल जीवन मिशन के आंकड़ों के अनुसार केवल ग्रामीण भारत में ही प्रतिदिन 31000 मिलियन लीटर से अधिक ग्रे वाटर बनता है। यदि इस पानी को बिना किसी उपचार के गलियों या खुले नालों में बहने दिया जाए, तो यह मच्छरों के पनपने, मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारियों के फैलने और मिट्टी तथा भूजल को दूषित करने का कारण बनता है। ग्रामीण भारत में ग्रे वाटर प्रबंधन का महत्व विशेष रूप से बढ़ गया है। घर-घर नल से जल पहुंचने के साथ घरेलू अपशिष्ट जल की मात्रा भी बढ़ रही है। सरकारी स्रोतों के अनुसार घरेलू उपयोग में आने वाले पानी का लगभग 70 प्रतिशत तक हिस्सा ग्रे वाटर के रूप में बाहर निकल सकता है। यदि इसका वैज्ञानिक प्रबंधन न किया जाए तो गांव की गलियों में जलभराव, दुर्गंध, मच्छरों की वृद्धि तथा तालाबों और अन्य जल स्रोतों के प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए जल आपूर्ति के साथ-साथ अपशिष्ट जल के प्रबंधन को भी ग्रामीण जल सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के द्वितीय चरण में ग्रे वाटर प्रबंधन को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

मिशन के अंतर्गत ग्रे वाटर का प्रबंधन ओडीएफ प्लस गांवों की दिशा में एक महत्वपूर्ण घटक है। इसके लिए स्रोत के निकट सरल और कम लागत वाली तकनीकों जैसे सोख्ता गड्ढा, लीच पिट, मैजिक पिट और किचन गार्डन आधारित प्रणालियों को बढ़ावा दिया जाता है। जहां घरेलू स्तर पर पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां सामुदायिक स्तर पर वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पोंड, निर्मित आर्द्रभूमि और विकेंद्रीकृत उपचार प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। इसका मूल सिद्धांत कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्भरण है।

भारत में ग्रे वाटर प्रबंधन के लिए सुजलाम अभियान भी महत्वपूर्ण पहल रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सुजलाम अभियान के विभिन्न चरणों के दौरान 2021 से 2023 के बीच लगभग 50 लाख सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया। इसका उद्देश्य गांवों में ग्रे वाटर के ठहराव को कम करना, स्थानीय स्तर पर पानी का प्रबंधन करना तथा जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना था। ग्रे वाटर प्रबंधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका पुनः उपयोग है। उपचारित पानी का उपयोग बागवानी, वृक्षारोपण और अन्य उपयुक्त गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। इससे ताजे पानी की मांग कम होती है और उपलब्ध जल संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग संभव होता है। जल जीवन मिशन की अवधारणा में भी गांव की जल आपूर्ति व्यवस्था के साथ ग्रे वाटर के उपचार और पुनः उपयोग को जोड़ा गया है तथा ग्राम पंचायत या उसकी उपसमिति को इसके प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। भारत में इसके कई सफल उदाहरण भी सामने आए हैं।

महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी विकास खंड के करंजवन गांव में लगभग 5256 लोगों से उत्पन्न करीब एक लाख लीटर ग्रे वाटर प्रतिदिन के उपचार के लिए छोटी पाइपलाइन आधारित निकासी व्यवस्था और लगभग आधे एकड़ क्षेत्र में वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पोंड बनाया गया। उपचारित पानी का उपयोग ग्राम पंचायत की लगभग 5 एकड़ भूमि में सिंचाई के लिए किया जाता है। वहां लगभग 1100 पेड़ लगाए गए हैं, जिनमें इमली, आम, अमरूद और जामुन शामिल हैं। ग्रे वाटर के उपचारित पानी से सिंचाई शुरू होने के बाद पेड़ों की उत्पादकता में सुधार देखा गया और वर्ष 2020 में लगभग 2.5 क्विंटल इमली का उत्पादन हुआ, जिसकी अनुमानित बिक्री आय करीब 4 लाख रुपए बताई गई। यह उदाहरण दर्शाता है कि उचित उपचार के बाद ग्रे वाटर को समस्या के बजाय स्थानीय आर्थिक एवं पर्यावरणीय संसाधन में बदला जा सकता है। इसी प्रकार पंजाब के मालेरकोटला जिले के सुल्तानपुर गांव ने भी ग्रे वाटर प्रबंधन का प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया। गांव में लगभग 230 परिवार और 1141 की आबादी थी तथा यहां एक गंदे और दुर्गंधयुक्त तालाब की समस्या थी। जिला प्रशासन के सहयोग से व्यापक योजना तैयार की गई और वर्ष 2020 में लगभग 11.95 लाख रुपए की लागत से वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पोंड का निर्माण किया गया। इस हस्तक्षेप ने गांव की स्वच्छता, पर्यावरण और तालाब की स्थिति में सुधार करने में मदद की। एक अन्य उदाहरण महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के बजर भोगांव का है. जहां ग्रे वाटर के उपचार के लिए तीन-तालाब वाली प्रणाली विकसित की गई। इससे लगभग 25 किलोलीटर प्रतिदिन उपचारित पानी उपलब्ध होने लगा, जिसका उपयोग किसान सिंचाई के लिए करने लगे। ऐसे उदाहरण यह दिखाते हैं कि यदि गांव में ग्रे वाटर को स्थानीय जल एवं कृषि जरूरतों से जोड़ा जाए तो इससे स्वच्छता के साथ-साथ आजीविका और कृषि उत्पादकता को भी लाभ मिल सकता है। ग्रे वाटर प्रबंधन की सफलता के लिए केवल उपचार संयंत्र बनाना पर्याप्त नहीं है। इसकी शुरूआत गांव के जल सर्वेक्षण और मानचित्रण से होनी चाहिए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में यह पता लगाया जाना चाहिए कि कितना पानी उपयोग हो रहा है, कितना ग्रे वाटर उत्पन्न हो रहा है, वह कहां बह रहा है और किन स्थानों पर जलभराव या प्रदूषण की समस्या है। इसके बाद स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार घर-स्तरीय या सामुदायिक प्रणाली का चयन किया जाना चाहिए।

पहाड़ी क्षेत्रों में ढाल, भूमि की उपलब्धता और भू-स्खलन की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन तैयार करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ग्राम पंचायत इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। पंचायत स्तर पर घरों, विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों और सामुदायिक भवनों को ग्रे वाटर प्रबंधन से जोड? की योजना बनाई जा सकती है। स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों और युवाओं को जागरूकता एवं निगरानी में शामिल किया जा सकता है। विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में छोटी उपचार प्रणालियां स्थापित करके उन्हें जल संरक्षण के मॉडल परिसर के रूप में विकसित किया जा सकता है। बहरहाल ग्रे वाटर प्रबंधन बहुत जरूरी है।

सस्ता डाटा पड़ रहा है महंगा

डा. अश्विनी महाजन

भारत दुनिया में सबसे सस्ता डाटा उपलब्ध कराने वाले देशों में शामिल है। भारत में प्रति जीबी डाटा की कीमत मात्र 5 से 6 रुपए ही है। 2014 में यह कीमत 269 रुपए से 308 रुपए प्रति जीबी थी। यानी पिछले 12 वर्षों में डाटा की कीमत 97 प्रतिशत घटी है। यदि वाई-फाई डाटा की बात करें तो कई सार्वजनिक स्थान में तो यह मुफ्त उपलब्ध होता है। निजी तौर पर भी यह घरों और व्यावसायिक स्थलों पर विभिन्न कंपनियों द्वारा साल भर में मात्र 5000 से 10000 रुपए प्रति वर्ष की कीमत पर लगभग असीमित डाटा मिलता है। डाटा की गति के अनुसार कीमत तय होती है। गौरतलब है कि अभी तक देश में 7.22 लाख किलोमीटर अपटिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है।



टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने हाल ही में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वॉयस कॉल और एसएमएस के साथ डाटा को अनिवार्य रूप से बंडल करना बंद करें। उदाहरण के लिए कंपनियों से कहा गया है कि वे ऐसे प्लान भी दें जिनमें सिर्फ वॉयस और एसएमएस की सुविधा हो और डाटा शामिल न हो। इस कदम से उन ग्राहकों का खर्च कम होगा जिन्हें डाटा की जरूरत नहीं होती और जो अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल सिर्फ कॉल करने या एसएमएस भेजने के लिए करते हैं। हालांकि, सस्ते डाटा के गलत इस्तेमाल की समस्या को कम करने के लिए ट्राई एक और कदम उठा सकता है। वे टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे हर दिन 1 या 2 जीबी डाटा देने के बजाय, महीने में 2 से 5 जीबी तक सीमित डाटा दें, ताकि डाटा का इस्तेमाल किया जा सके। यही नहीं माता पिता जिन्होंने अपनी बच्चों को स्मार्टफोन इसलिए दिलाए हैं ताकि वे अपनी शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण कर सकें, उनके लिए भी सीमित डाटा के प्लान ज्यादा उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में बच्चे डाटा का मितव्ययता से उपयोग करना सीखेंगे।

भारत दुनिया में सबसे सस्ता डाटा उपलब्ध कराने वाले देशों में शामिल है। भारत में प्रति जीबी डाटा की कीमत मात्र 5 से 6 रुपए ही है। 2014 में यह कीमत 269 रुपए से 308 रुपए प्रति जीबी थी। यानी पिछले 12 वर्षों में डाटा की कीमत 97 प्रतिशत घटी है। यदि वाई-फाई डाटा की बात करें तो कई सार्वजनिक स्थान में तो यह मुफ्त उपलब्ध होता है। निजी तौर पर भी यह घरों और व्यावसायिक स्थलों पर विभिन्न कंपनियों द्वारा साल भर में मात्र 5000 से 10000 रुपए प्रति वर्ष की कीमत पर लगभग असीमित डाटा मिलता है। डाटा की गति के अनुसार कीमत तय होती है। गौरतलब है कि अभी तक देश में 7.22 लाख किलोमीटर अपटिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है। भारत में टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटरनेट दुनिया में दूसरे स्थान पर है। इस विस्तार के कारण भारत में स्मार्टफोन की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसके कारण भारत में डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और इंटरनेट आधारित प्लेटफार्म का चलन बढ़ा है। भारत में ब्रॉडबैंड 100 करोड़ तक पहुंच चुका है। अन्य देशों से तुलना करें तो भारत में डाटा अमेरिका, यूरोपीय देशों और जापान ही नहीं चीन से भी कहीं सस्ता है। जहां अमेरिका में यह 3.5 गुना ज्यादा 0.20 डॉलर प्रति जीबी है, चीन में यह आधा डॉलर यानी 47 रुपए प्रति जीबी है। दुनिया के अधिकांश देशों में मोबाइल डाटा की कीमत भारत से अधिक है। गौरतलब है कि सामर्थ्य के हिसाब से तो भारत में यह और भी अधिक अफॉर्डेबल है।

जहां भारत की प्रति व्यक्ति आय दुनिया में 146वें स्थान पर आती है, मोबाइल डाटा की कीमत में किफायत में भारत का स्थान सबसे ऊपर के देशों में होना यह बताता है कि भारत में डाटा बहुत ही अफॉर्डेबल है। कितना उपयोग होता है डाटा : टेलीकॉम निमार्ता नोकिया कंपनी के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक डेटा उपयोग 2025 में 31 जीबी तक पहुंच गया है, जो 2024 में 27.5 जीबी ही था। डाटा का उपयोग पिछले 5 वर्षों में 21.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा है। केवल डाटा ही नहीं डाटा की स्पीड में भी खासा विकास हुआ है। आज भारत में 5जी पैंठ 25 प्रतिशत से अधिक है और मेट्रो शहरों में तो यह 58 प्रतिशत से अधिक है। कहां उपयोग होता है डाटा : महत्वपूर्ण बात यह है कि डाटा का प्रयोग कहां और कितना होता है? भारत में 2025 में 50 करोड़ सोशल मीडिया उपयोग करने वाले मोबाइल ग्राहक थे। न्यूज एजेंसी रॉयटर का कहना है कि भारत में प्रतिदिन औसतन भारतीय 3.2 घंटे सिर्फ सोशल मीडिया एप्स पर ही खर्च करता है। संदेश भेजने या प्राप्त करने पर 1 घंटा 6 मिनट प्रतिदिन इस्तेमाल होते हैं, जो व्यैक्तिक और व्यवसाय संबंधी दोनों हो सकते हैं। बिजनेस और उपयोगिता के लिए मात्र 42 मिनट ही इस्तेमाल होते हैं और अन्य पर 35 मिनट। यानी कहा जा सकता है कि उत्पादकता की दृष्टि से मात्र 42 मिनट और लगभग 90 मिनट मिश्रित कार्य निष्पादन जैसे संचार, शिक्षा, नैविगेशन, बैंकिंग, शोपिंग आदि के लिए इस्तेमाल होता है। यानि कहा जा सकता है कि कुल 5 घंटे 45 मिनट का समय औसतन मोबाइल पर खर्च होता है जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत तो सिर्फ सोशल मीडिया और शेष 40 प्रतिशत अन्य कार्यों पर खर्च होता है। समझा जा सकता है कि कितनी बड़ी मात्रा में भारत के लोगों, जिनमें से अधिकांश युवा हैं, का समय अनुत्पादक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होता है। ईवाई के अनुसार वर्ष 2025 में भारतीयों ने 123 करोड़ घंटे स्मार्ट फोन पर इस्तेमाल किए, जो 5.8 घंटे प्रति दिन माना जा सकता है और इनमें 60 प्रतिशत तो सिर्फ सोशल मीडिया एप्स पर ही खर्च हुए। पिछले 12 सालों में जैसे-जैसे डाटा सस्ता हुआ है, उससे भारत में डाटा का उपयोग पहले से ज्यादा बढ़ गया है। मोबाइल कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसे प्लान लेकर आती हैं, जिससे डाटा का उपयोग और ज्यादा बढ़ जाता है। उदाहरण के लिए, हम देखते हैं कि पूर्व में जहां कॉलिंग के साथ डाटा सीमित रूप से, 1 जीबी या 2 जीबी प्रति माह मिलता था, लोग डाटा का किफायती इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब प्रतिदिन 1 जीबी या 2 जीबी डाटा के प्लान उपलब्ध हैं, जिसके कारण डाटा का ज्यादा उपयोग होता है। यहां समझना होगा कि डाटा का उपयोग बढ? के साथ ही साथ समय की खपत भी बढ़ती है। हाल ही में ग्राहकों को राहत देने की दृष्टि से मोबाइल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है कि जिसको जितनी आवश्यकता हो, उसी प्रकार का प्लान उसको उपलब्ध कराया जाए।

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने हाल ही में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वॉयस कॉल और एसएमएस के साथ डाटा को अनिवार्य रूप से बंडल करना बंद करें। उदाहरण के लिए कंपनियों से कहा गया है कि वे ऐसे प्लान भी दें जिनमें सिर्फ वॉयस और एसएमएस की सुविधा हो और डाटा शामिल न हो। इस कदम से उन ग्राहकों का खर्च कम होगा जिन्हें डाटा की जरूरत नहीं होती और जो अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल सिर्फ कॉल करने या एसएमएस भेजने के लिए करते हैं। हालांकि, सस्ते डाटा के गलत इस्तेमाल की समस्या को कम करने के लिए ट्राई एक और कदम उठा सकता है। वे टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे हर दिन 1 या 2 जीबी डाटा देने के बजाय, महीने में 2 से 5 जीबी तक सीमित डाटा दें, ताकि डाटा का इस्तेमाल किया जा सके। यही नहीं माता पिता जिन्होंने अपनी बच्चों को स्मार्टफोन इसलिए दिलाए हैं ताकि वे अपनी शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण कर सकें, उनके लिए भी सीमित डाटा के प्लान ज्यादा उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में बच्चे डाटा का मितव्यता से उपयोग करना सीखेंगे और समय का दुरुपयोग भी नहीं होगा और बच्चे मोबाइल से ध्यान हटा कर खेलने और दूसरी रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान लगाएंगे। दुविधा यह है कि आजकल के बच्चे मोबाइल पर ज्यादा बिजी होते हैं। हर कोई मोबाइल से चिपका रहता है। बच्चों की अपने माता-पिता से बातचीत भी सीमित होती है। इससे बच्चे एक अलग दुनिया में रहने लगे हैं, जहां वह परिवारों से कटे रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

विजयादशमी पर्व पर प्रदेश के जिलों में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

भोपाल। विजयादशमी का पर्व सत्य की असत्य पर विजय और शक्ति के अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के संकल्प की सार्थकता का प्रतीक है। भारतीय सनातन संस्कृति में शस्त्र-पूजन की परंपरा शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग, निर्बलों की रक्षा, धर्म एवं न्याय की स्थापना और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति कर्त्तव्यबोध का संदेश देती है। इसी सांस्कृतिक परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सम्मान की भावना को व्यापक रूप से अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से प्रदेश में विजयादशमी पर सभी जिलों में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंदौर के शस्त्र पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ग्वालियर में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मंदसौर में उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, रीवा में उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और बैतूल में वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल शामिल हुए।

प्रदेश में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में खण्डवा में मंत्री श्री विजय शाह, धार में मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, नरसिंहपुर में मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, जबलपुर में मंत्री श्री राकेश सिंह, सीहोर में मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, मंडला में मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, देवास में मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुरैना में मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, झाबुआ में मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, सागर में मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, भोपाल में मंत्री श्री कैलाश विश्वास सारंग, दतिया में मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, अलीराजपुर में मंत्री श्री नागरसिंह चौहान, भिंड में मंत्री श्री राकेश शुक्ला, शाजापुर में मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, विदिशा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, दमोह में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, अनूपपुर में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, राजगढ़ में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, कटनी में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, आगर-मालवा में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार, रायसेन में राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सतना में राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, छतरपुर में राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, सिंगरौली में राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह और शेष जिलों में कलेक्टर द्वारा शस्त्र पूजन किया गया।

गंभीर घायल कल्पना परिहार को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा



भोपाल। ग्वालियर में शनिवार को हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 19 वर्षीय कल्पना परिहार निवासी थाटीपुर, ग्वालियर को मंगलवार एयर एंबुलेंस से एम्स भोपाल एयरलिफ्ट किया गया। उनके पैरों में फ्रैक्चर एवं पेट में गंभीर चोटें आई हैं। इससे पहले एक मरीज संजय शर्मा 36 वर्षीय निवासी करनाल साहब की ड्योढी ग्वालियर, जिन्हें हाथ एवं पैरों में फ्रैक्चर की गंभीर चोटें आई थी,को भी 19 अक्टूबर को मध्यरात्रि 12.08 बजे भोपाल एम्स शिफ्ट किया गया। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से यह व्यवस्था की गई। इसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम. एस. सागर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं एयर एम्बुलेंस नोडल डॉ. दीपाली माथुर, जेएएच अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना तथा चिकित्सक डॉ. विवेक कामत, डॉ. विजय धाकड़ एवं डॉ. विपिन गर्ग का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में मरीज का स्वास्थ्य स्थिर होने पर बेहतर उपचार के लिए भोपाल भेजा गया है।

गायत्री शक्तिपीठ भोपाल पर नवरात्रि अनुष्ठान का समापन

24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, दशहरा पूजन एवं नशासुर दहन के साथ संपन्न





एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

गायत्री शक्तिपीठ, एम.पी. नगर भोपाल पर चल रहे नवरात्रि अनुष्ठान का आज विजयादशमी पर्व पर भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, दशहरा पर्व पूजन, दीक्षा संस्कार, विशेष रूप से महिलाओं का यज्ञोपवीत संस्कार और सायंकालीन बेला में नशासुर दहन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

नवरात्रि में मां दुर्गा की नौ शक्तियों का मनुष्य जीवन पर प्रभाव गायत्री परिवार भोपाल द्वारा बृहद अनुष्ठान संपन्न आश्विन मास की नवरात्रि में गायत्री शक्तिपीठ द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष नव दिवसीय अनुष्ठान कराया गया था।

24 कुंडली गायत्री महायज्ञ का संचालन सदानंद अंबेकर जी की टोली ने किया। पर्व एवं शांतिकुंज का संदेश श्री राजेश पटेल, जोनल समय समन्वयक मध्य प्रदेश, ने दिया।

गायत्री परिवार के युवा प्रकोष्ठ के डॉ. दयानंद ने बताया कि इस वर्ष लगभग 200 से अधिक युवा भाई-बहनों एवं नैष्ठिक कार्यकताओं ने संकल्प के साथ अनुष्ठान किया। इसकी विशेष व्यवस्था शक्तिपीठ के साधना कक्ष में की गई थी, जहाँ मुख्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के समान देवात्मा हिमालय की प्रतिकृति बनाई गई थी। साधकों ने हिमालय की ऊर्जा का अनुभव करते हुए जप-ध्यान किया। यहाँ गायत्री मंदिर दर्शन, प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा और अखंड ज्योति दर्शन की भी व्यवस्था रही। मां दुर्गा की नौ शक्तियाँ शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री क्रमशः संकल्प, संयम, साहस, उल्लास, वात्सल्य, तेजस्विता, निर्भयता, पवित्रता और सिद्धि का संचार करती हैं। आज एक दर्जन बहनों का यज्ञोपवीत पवित्र संस्कार (जनेऊ) श्री रमेश अभिलाषी जी के माध्यम से संपन्न हुआ। इस दशहरे रावण नहीं, नशासुर का दहन करें! विजयादशमी केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों के अंत का पर्व भी है। आज नशा सबसे बड़ी सामाजिक बुराई बन चुका है, जो विवेक, परिवार और समाज की प्रगति को प्रभावित करता है।

इसी संदेश को लेकर शक्तिपीठ पर संध्या बेला में नशासुर दहन कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। उपस्थित जनसमूह ने संकल्प लिया कि नशा नहीं, जीवन चुनें।

22 अक्टूबर को भोपाल मंडल के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों से सीधा संवाद करेंगे रेल अधिकारी



एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

रेलवे की यात्री सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा यात्रियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में 22 अक्टूबर 2026 को विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत पैन इंडिया स्तर पर रेल जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रेल अधिकारी यात्रियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्टेशन विकास एवं पुनर्विकास कार्यों, यात्री हितकारी योजनाओं, स्वच्छता, सुरक्षा तथा रेलवे नियमों की जानकारी भी दी जाएगी। यात्रियों से प्राप्त सुझावों एवं फीडबैक का उपयोग यात्री सुविधाओं में सुधार और रेल सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किया जाएगा।

रेल जन संवाद के माध्यम से यात्री स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, रेल परिचालन, सुरक्षा तथा अन्य यात्री सेवाओं से संबंधित अपनी समस्याएँ एवं सुझाव सीधे रेल अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। इस पहल से रेलवे और यात्रियों के बीच संवाद को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। भोपाल मंडल रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे 22 अक्टूबर को आयोजित रेल जन संवाद में सक्रिय भागीदारी करें तथा अपने बहुमूल्य सुझावों एवं फीडबैक के माध्यम से रेलवे सेवाओं को और बेहतर बनाने में सहयोग प्रदान करें।

पुलिस लाइन में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया शस्त्र पूजन

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



विजयादशमी के पावन पर्व पर पुलिस लाइन रीवा में शस्त्र पूजन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया और जिलेवासियों को दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री को सशस्त्र बल के जवानों ने गार्ड ऑफ आनर दिया। पुलिस बल द्वारा गरिमापूर्ण तरीके से पर्व मनाया गया।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय और अधर्म पर धर्म की विजय का शाश्वत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी एक गौरवशाली ऐतिहासिक परंपरा है, जिसका उद्देश्य आराजक शक्तियों की समाप्ति और रचनात्मक शक्तियों की ताकत को बढ़ाना है। विजयादशमी अहंकार को समाप्त करने और मयार्दा की जीत स्थापित करने का संकल्प लेने का दिन है, क्योंकि रावण अहंकार के प्रतीक थे और भगवान मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम मयार्दा के प्रतीक थे।

इस गरिमामयी आयोजन में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पांडेय और भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह और कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी सहित पुलिस विभाग के अधिकारी तथा संभ्रांतजन उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी सफलता, 2 दिनों में 2 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं कारोबार के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत दो दिनों में धार, रतलाम, खरगोन एवं सीधी जिलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए 2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के गांजे के 2,083 हरे पौधे, जिनका कुल वजन 1,842.307 किलोग्राम है, तथा 22 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने प्रकरण में आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना टाण्डा पुलिस ने ग्राम पुरा में कपास के खेत से गांजे के 855 पौधे, वजन 900.77 किलोग्राम, कीमत 90 लाख 7 हजार 700 रुपये, जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

वहीं, थाना डही पुलिस ने ग्राम बोडगांव में खेत से 206 पौधे, वजन 406.74 किलोग्राम, कीमत 61 लाख 11 हजार रुपये, जब्त किए। इसी प्रकार थाना धामनोद पुलिस ने ग्राम कच्छवानिया के गिनावापुर में चम्पू पिता सखाराम के तुअर के खेत से गांजे के 60 पौधे, वजन 49.267 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 4 लाख 50 हजार रुपये, जब्त किए।

इस प्रकार धार जिले के टाण्डा, डही एवं धामनोद पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए कुल 1,121 हरे पौधे, वजन 1,356.777 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 1 करोड़ 55 लाख 68 हजार 700 रुपये, जब्त किए है। तीनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। थाना शिवगढ़ पुलिस ने ग्राम गुंजा में कार्रवाई कर खेत से गांजे के 880 हरे पौधे, वजन 280.65 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 28 लाख 6 हजार 500 रुपये, जब्त किए। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को अर्पित करेंगे श्रद्धांजलि, आज होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार, 21 अक्टूबर को प्रातः 8:30 बजे लाल परेड मैदान, भोपाल स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में राज्य स्तरीय श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश की आंतरिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल के अधिकारी-कर्मचारी भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

शहीदों के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण

पुलिस स्मृति दिवस प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को देशभर में उन पुलिसकर्मियों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान दिया। 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के साथ मुठभेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 10 वीर जवान शहीद हो गए थे। इन वीर जवानों की शहादत की स्मृति में प्रत्येक वर्ष पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।



मध्यप्रदेश पुलिस के 9 शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

इस वर्ष मध्यप्रदेश पुलिस के 9 अधिकारी-कर्मचारियों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान दिया है। पुलिस स्मृति दिवस पर इन वीर शहीदों को नमन करते हुए उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का स्मरण किया जाएगा।

शहीद पुलिसकर्मियों में स्वर्गीय श्री आशीष शर्मा, निरीक्षक (विशेष सशस्त्र बल), स्वर्गीय श्री अशोक शर्मा, उप निरीक्षक, स्वर्गीय श्री मदनलाल निनामा, सहायक उप निरीक्षक,स्वर्गीय श्री परिमाल सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक क्रमांक 291,स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश भवेदी, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक क्रमांक 40, स्वर्गीय श्री सर्जन सिंह भील, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक क्रमांक 580,स्वर्गीय श्रीमती आरती पाल, महिला आरक्षक क्रमांक 1480, स्वर्गीय श्री महेश प्रसाद पाठक, आरक्षक क्रमांक 98 तथा स्वर्गीय श्री विकास चतुर्वेदी, आरक्षक क्रमांक 987 शामिल हैं।

पुलिस स्मृति दिवस परेड में विभिन्न टुकड़ियां होंगी शामिल

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला पुलिस बल एवं विशेष सशस्त्र बल की महिला और पुरुष प्लाटून, होमगार्ड प्लाटून, पाल-बेयरर पार्टी, कलर पार्टी, पुलिस बैंड, अश्वारोही दल एवं श्वान दल की टुकड़ियां भाग लेंगी। पुलिस बैंड की देशभक्ति से ओतप्रोत धुनों के बीच शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

खंडवा, हरदा, महू में तेज बारिश, रतलाम-उज्जैन में बूंदाबांदी

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

दशहरा पर मंगलवार को एमपी के कई हिस्से में बारिश हुई। चार जिले बारिश से प्रभावित रहे।

खंडवा, महू और हरदा में तेज बारिश हुई। बारिश से दशहरा के दिन रावण के पुतले गीले हो गए। वहीं रतलाम-उज्जैन में हल्की बारिश हुई। खंडवा में तो बारिश का पानी सड़कों से बह निकला। हरदा में रावण का पुतला पूरी तरह से भीग गया।। नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा क्रेन की मदद से 51 फिट ऊंचे पुतले को बारिश के बीच खड़ा करने की मशक्कत की जाती रही।

साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और ट्रफ की वजह से ऐसा हो सकता है। अगले 4 दिन यानी, 23 अक्टूबर तक बारिश का दौर रहेगा। इस दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा या इससे अधिक रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। दूसरी ओर, पूर्वी हिस्से जैसे- जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में धूप निकलने के आसार है।

रात में 20 डिग्री से नीचे पारा

इधर, सोमवार को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे चल रहा है। बीती रात छिंदवाड़ा में 17.4 डिग्री, कटनी के करौंदी में 17.8 डिग्री, आलीराजपुर व गुना में 18 डिग्री, अमरकंटक में 18.4 डिग्री और नीमच के मरुखेड़ा में 18.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खंडवा, उज्जैन, खरगोन, रतलाम, राजगढ़ और रायसेन में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से ज्यादा है।

प्रदेश में पिछले 4 दिन से आंधी-बारिश हो रही है। गुना में एक ही दिन में साढ़े 4 इंच पानी गिर गया। इंदौर, शाजापुर, सीहोर, मंदसौर, उज्जैन, आगर-मालवा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल और छिंदवाड़ा में भी बारिश रिकॉर्ड की गई।

इंदौर में सोमवार को दिन में रुक-रुककर बारिश हुई। ऐसा ही मौसम अन्य जिलों में भी बना रहा।



सर्दियों में खाएं ये फूड्स, हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

सर्दियों में हार्ट अटैक के खतरे से बचने के लिए आप मछली,संतरा, अखरोट, लहसुन जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में दिल का खास ख्याल रखना पड़ता है। दरअसल ठंड में हार्ट अटैक के मामले में इजाफा हो जाता है। ठंड के मौसम में ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती है जिसकी वजह से ब्लड का सर्कुलेशन कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वहीं जिन लोगों की लाइफ स्टाइल पहले से ही खराब होती है उनके दिल पर ज्यादा खतरा होता है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आप अपने दिल को सर्दियों में हल्दी बनाए रखें तो हम आपको कुछ खाद्य पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं जिसे डाइट में शामिल करने से आपके हार्ट को फायदा होगा बीपी कंट्रोल में रहेगी।

अखरोट



सर्दियों के मौसम में आपको ड्राई फ्रूट जैसे अखरोट को डाइट में शामिल करना चाहिए, इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, इससे ब्लड वेसल्स की सेहत बनी रहती है। यह अल्फा लिनोलेनिक एसिड का समृद्ध स्रोत है जो हृदय सेहत में सुधार करते हैं।

आंवला

सर्दियों में आपको विटामिन सी से भरपूर आंवला का सेवन भी करना चाहिए। यह एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भी भरपूर होता है, जो हार्ट हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकता है। इससे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

लहसुन



लहसुन को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। इसमें एलिसिन नामक कंपाउंड होता है, जो ब्लड प्रेशर को कम कर मदद करता है, ब्लड वेसल्स को हेल्दी बनाता है, जिससे दिल की सेहत को सपोर्ट मिलता है। इससे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है।

मछली

अगर आप नॉनवेज लवर हैं तो आपको ठंड में मछली खाना चाहिए। इसमें कार्ब्स की मात्रा कम और ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। यह आपके हार्ट को फायदा पहुंचता है।

संतरा

विटामिन सी से भरपूर संतरे का सेवन जरूर करना चाहिए, यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो दिल की सेहत का ख्याल रखता है। यह बीपी को नियंत्रित करता है, रक्त वाहिकाओं की सेहत बनाए रखता है। विटामिन सी सूजन को कम करता है।





पीसीओएस की समस्या को नेचुरली करना है मैनेज तो फॉलो करें इंटरमिटेंट फास्टिंग

अगर आप पीसीओएस की शिकायत से जूझ रहे हैं तो ऐसे में आपको इंटरमिटेंट फास्टिंग का ऑप्शन चुनना चाहिए। इससे आपको यकीनन फायदा होगा।

आज के समय में अधिकतर महिलाएं पीसीओएस की समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस की समस्या होने पर ना केवल आपको अधिक वजन के कारण परेशान होना पड़ता है, बल्कि इसके साथ-साथ आपको मूड स्विंग से लेकर अनियमित पीरियड्स जैसी कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप पीसीओएस को मैनेज करें और इसका सबसे पहला व बेसिक स्टेप है अपने लाइफस्टाइल को बदलना।

अगर आप भी पिछले काफी समय से पीसीओएस को मैनेज करने की जद्दोजहद में जुटी हैं तो ऐसे में इंटरमिटेंट फास्टिंग करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अक्सर पीसीओएस को मैनेज करने के लिए हम सभी वजन कम करना चाहती हैं और इसके लिए अपने खाने को प्रतिबंधित करती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग आपके खाने की टाइमिंग पर अधिक फोकस करती है। जिससे इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होने से लेकर हार्मोन बैलेंस करने और वजन घटाने में भी मदद मिलती है। जिससे आपको पीसीओएस में काफी फायदा मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि पीसीओएस की समस्या होने पर इंटरमिटेंट फास्टिंग किस तरह फायदा पहुंचा सकती है-

इंसुलिन सेंसेटिविटी होती है बेहतर

जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग को फॉलो करती हैं तो इससे आपकी इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होती है। जिससे आपको पीसीओएस में लाभ होता है। दरअसल, पीसीओएस वाली अधिकतर महिलाओं में इंसुलिन का स्तर अधिक होता है। ऐसे में उनके शरीर के लिए ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। इससे ना केवल वजन तेजी से बढ़ता है, बल्कि हार्मोनल असंतुलन की शिकायत भी होती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए जब आप अपने खाने की टाइमिंग को सेट करती हैं तो इससे इंसुलिन लेवल को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है।

हार्मोन होते हैं बैलेंस

पीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो इससे हार्मोन बैलेंस करने में मदद मिलती है। दरअसल, इंटरमिटेंट फास्टिंग फॉलो करने से आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे आपके हार्मोन बैलेंस होने लगते हैं। इसके अलावा, इंटरमिटेंट फास्टिंग से आपके शरीर में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो इंसुलिन और एण्ड्रोजन के स्तर को कम करते हैं। यह बालों के विकास या मुंहासे जैसे पीसीओएस लक्षणों को कम कर सकता है।

मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

अक्सर वजन कम करने के लिए लोग क्रैश डाइट फॉलो करते हैं, लेकिन यह आपको काफी सुस्त महसूस करवाती है। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो फास्टिंग पीरियड के दौरान आपका शरीर में पहले से ही स्टोर फैट को एनर्जी में बदलता है। इससे ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी बूस्टअप होता है। अतिरिक्त भूख होती है नियंत्रित पीसीओएस में आपके भूख से जुड़े हार्मोन ग्रेलिन और लेप्टिन का तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे आपको अत्यधिक खाने की इच्छा हो सकती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग इन भूख हार्मोन को रीसेट करने में मदद कर सकती है, जिससे यह पहचानना आसान हो जाता है कि आपको वास्तव में कब भूख लगी है और कब आपको बस यूं ही क्रेविंग्स हो रही है। इससे जब आप अपनी अतिरिक्त भूख को नियंत्रित कर पाते हैं तो इससे आपकी ओवर ऑल हेल्थ सुधरती है।





शरीर में पोटेशियम का स्तर कम हो जाए तो क्या होगा?

पोटेशियम एक बहुत ही महत्वपूर्ण खनिज है जो हमारे शरीर को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है यह एक इलेक्ट्रोलाइट्स है जो शरीर को रिचार्ज करता है। सेल्स तंत्रिकाओं और मांसपेशियों के ठीक से काम करने के लिए पोटेशियम बेहद जरूरी है।

शरीर में पोटेशियम का लेवल बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार खराब खानपान के चलते इसकी कमी हो जाती है, जिससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है आइए जानते हैं शरीर में पोटेशियम की कमी हो जाए तो क्या-क्या दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

- पोटेशियम शरीर में तरल पदार्थ के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। जब इसकी कमी होती है तो कोशिकाओं में असंतुलन हो सकता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव और अकड़न पैदा हो सकता है।
- पोटेशियम का स्तर कम होने से मानसिक स्थिति पर भी असर पड़ता है। इससे भ्रम, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी उलझन जैसी समस्याएं हो सकती है।
- इसकी कमी के कारण व्यक्ति थकान और कमजोरी महसूस कर सकता है। सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है।
- पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, हड्डियों पर भी इसका असर पड़ सकता है।
- पोटेशियम की कमी के चलते हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो सकती है,जिससे दिल को नुकसान हो सकता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से दिल को अधिक काम करना पड़ता है। इसके चलते स्ट्रोक दिल का दौरा जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। इससे दिल की धड़कन भी सामान्य हो सकती है।





एचएमपीवी से हो सकता है बचाव, पिएं यह सूप

एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिए इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। आप इस खास सूप को पीकर इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं।

सर्दियों में संक्रमण का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वहीं इन दिनों एचएमपीवी जैसे वायरस का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यह उन लोगों को अटैक करता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। खासतौर पर बच्चों बुजुर्ग या जिन लोगों को कोई बीमारी हो। ऐसे में सही खान-पान और पौष्टिक भोजन के जरिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। सूप एक बेहतरीन विकल्प है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आप मिक्सड वेज सूप का

मिक्सड वेज सूप बनाने की रेसिपी

1 कप गाजर, ½ कप शिमला मिर्च
1 कप मटर, 1 कप लौकी, आधा कप पालक
1 टमाटर कटा हुआ, 1 प्याज बारीक कटा हुआ
2 से 3 लहसुन की कलियां, 1 इंच अदरक
1 तेज पत्ता, 2-3 लौंग, एक चम्मच घी
काली मिर्च पाउडर ½ चम्मच, स्वादानुसार नमक
2 कप पानी

विधि

- सूप बनाने के लिए गाजर, शिमला मिर्च, मटर, लौकी, टमाटर और पालक को अच्छी तरह से धोकर उबाल लें।
- उबली हुई सब्जियों को ठंडा होने के लिए रख दें।
- उसके बाद इसे ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट तैयार
- इसमें जीरा, कटा हुआ प्याज, लहसुन अदरक लौंग और तेज पत्ता डालकर भून लें।
- अब इसमें पिसी हुई सब्जियां डालें और अच्छी तरह से मिलाएं ।
- सूप को पतला करने के लिए इसमें पानी डालें और 8 से 10 मिनट तक पकने दें।
- स्वाद अनुसार नमक और काली मिर्च डालें।
- तैयार है आपका मिक्सड वेज सूप चाट मसाला डालें और गरमा-गरम सर्व करें।

मिक्सड वेज सूप के फायदे

- मिक्सड वेज सूप सभी तरह के विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है, जब इम्यूनिटी मजबूत होती है तो किसी भी तरह के इंफेक्शन को बढ़ने का खतरा काफी कम हो जाता है, आपका शरीर संक्रमण से लड़ता है।
- वहीं यह सूप पाचन को भी दुरुस्त रखता है। इसके अलावा यह शरीर को गर्माहट देता है।
- इसमें इस्तेमाल अदरक लहसुन और हल्दी जैसे मसाले में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण होते हैं जो संक्रमण को कम करते हैं। सूप शरीर को हाइड्रेट रखता



ऑनलाइन सीखें स्पोकन इंग्लिश

बच्चे हों या बूढ़े इन दिनों हाथों हाथ मोबाइल होना आम बात है। शॉपिंग, मूवी, मनी ट्रांसफर, बैंकिंग, गेम्स आदि सबकुछ की ऑनलाइन सुविधा है। ऐसे में हर कोई अपने-अपने स्मार्टफोन में ही बिजी है। महिलाओं के लिए भी इंटरनेट ने काफी सुविधाएं दे रखी हैं। खाना बाना से लेकर सिलाई-बुनाई जैसी कई जरुरी चीजों की जानकारी हमें गूगल के माध्यम से मिल जाती है। यहां तक पढ़ाई के लिए भी कई सारे ऐप्स और वेबसाइट्स इंटरनेट पर इजिली आपको मिल जाएंगे। इसका सही इस्तेमाल कर आप घर बैठे ही अपनी अंग्रेजी भी ठीक कर सकती हैं। अगर आप घर बैठे इंग्लिश स्पोकन सीखना चाहती हैं, तो आपको अब ज्यादा खर्च भी नहीं लगेगा। यहां हम आपको इंग्लिश स्पोकन के कुछ ऐसे वेबसाइट्स बताएंगे, जहां से आप बिल्कुल फ्री स्पोकन सीख सकती हैं।

ऐप्स की लें मदद

ऑनलाइन इंग्लिश सीखने के लिए आपको अपने एंड्रॉयड फोन या आईफोन में लैंग्वेज लर्निंग ऐप्स डाउनलोड कर सकते है। यहां आपको ढेर सारे ऐप्स मिलेंगे। कुछ बिल्कुल फ्री तो कुछ में डेमो क्लास के बाद फीस देनी होती है। आप डेमो क्लास से भी बेसिक इंग्लिश सीख जाएंगी।

ऑनलाइन इंग्लिश न्यूजपेपर

किसी भी भाषा पर अच्छी पकड़ बनाने के लिए न्यूजपेपर बहुत अच्छा मीडियम माना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो अपने फोन या लैपटॉप में कुछ इंग्लिश न्यूजपेपर के ऐप्स को डाउनलोड कर कर सकते हैं।

मोबाइल या लैपटॉप में पढ़ें किताबें

इंग्लिश रीडिंग डालने से भी स्पोकन अच्छी होती है। ऐसे में आप चाहें तो ऑनलाइन किताबें भी पढ़ सकती हैं। इसका फायदा यह होता है कि आप कभी भी और कहीं भी उसे एक्सेस कर सकती हैं। वर्ड पावर बढ़ाने के लिए आप ऑनलाइन डिक्शनरी भी पढ़ सकती हैं। इससे रोजाना कुछ शब्द भी याद होंगे और उनसे इंग्लिश स्पोकन की प्रैक्टिस में भी मदद मिलेगी।

पॉडकास्ट भी है अच्छा ऑप्शन

इन दिनों पॉडकास्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आप कभी भी इंग्लिश पॉडकास्ट सुनकर अपनी इंग्लिश स्पोकन के साथ कम्युनिकेशन स्किल बढ़ा सकती हैं। इससे आपको शब्दों का सही उच्चारण सीखने का मौका मिलेगा। इन्टरनेट पर हजारों इंग्लिश पॉडकास्ट आपको मिल जाएंगे।



भारत में लगातार विकसित हो रहा है फैशन उद्योग

एक अध्ययन के मुताबिक भारत की फैशन इंडस्ट्री इस समय 200 करोड़ का आंकड़ा छू रही है तथा बड़े डिजाइनरों की सालाना बिक्री लगभग 25 करोड़ रुपए है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बाजार 35 बिलियन डॉलर के करीब है। यह इंडस्ट्री आने वाले सात वर्षों में भारतीय बाजार में ढाई हजार करोड़ तक पहुंचने का रिकॉर्ड बना सकती है। फैशन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने फैशन एंड डिजाइन प्रमोशन काउंसिल (एफडीपीसी) का गठन किया है। इस काउंसिल ने उभरते फैशन डिजाइनरों तथा स्कूल-कॉलेजों से पास हुए छात्रों के लिए 25 फीसदी आरक्षण का प्रावधान भी किया है। भारत में फैशन उद्योग लगातार विकसित हो रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय फैशन के क्षेत्र में एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इंडिया फैशन वीक और भारत के प्रमुख शहरों में फैशन डिजाइनरों द्वारा वार्षिक शो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से साफ हो गया है कि मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स व अन्य प्रतियोगिताओं में भारतीय सुंदरियां किसी से कम नहीं हैं।

कोर्स की रूपरेखा

महज बोर्ड पर किसी डिजाइन की स्केचिंग ही महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि छात्रों को इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके अंतर्गत गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड, फैब्रिक डाइंग एवं प्रिंटिंग, कलर मिक्सिंग एवं.. ..कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) आदि क्षेत्रों में से किसी एक का चयन करना होता है। फैशन डिजाइनिंग में कई सारे कोर्स जैसे एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, फुटवेयर डिजाइनिंग आदि को शामिल किया जाता है। इसके अलावा भी कई महत्त्वपूर्ण कोर्स इस इंडस्ट्री के लिए कारगर होते हैं, जैसे कि एमए, पीजी, बीए, अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा, शॉर्ट टर्म लेवल आदि कोर्स।

फैशन जगत की शाखाएं

बात यदि फैशन इंडस्ट्री की शाखाओं की हो तो इसमें कई विकल्प निखर कर सामने आते हैं। छात्रों की अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्रों का चयन करना होता है। कुछ शाखाएं नीचे दी गई हैं-

फैशन कम्युनिकेशन

जब भारी संख्या में घरेलू और विदेशी ब्रांड, कंपनियां और डिजाइनर भारतीय बाजार पर धावा बोल रहे हों तो इन सबके लिए अपनी विशिष्ट ब्रांड पहचान विकसित करना और बिक्री के लिए अधिकतम मात्र में उपलब्ध रहना अनिवार्य हो जाता है। यह बड़ा काम फैशन कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स आसान कर देते हैं।

फैशन स्टाइलिंग

भारत में फैशन स्टाइलिंग भले ही एक नया कॉन्सेप्ट हो, लेकिन यह तेजी से आकर्षक करियर में तब्दील हो रहा है। सफल स्टाइलिस्ट बनने के लिए फैशन के हर पहलुओं पर नजर, टीम में काम करने की क्षमता होनी जरूरी है। इसके कोर्स में मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, फोटोग्राफी, कम्प्यूटर एवं आईटी एप्लीकेशंस की जानकारी विकसित करने के लिए टूल्स, टेक्नीक्स और स्किल्स सिखाये जाते हैं।

फैशन के क्षेत्र में अपना परचम लहराने के लिए प्रोफेशनल्स का कौशल, ज्ञान व प्रदर्शन ही उन्हें दूसरों से अलग करता है। सिर्फ चंद किताबें रट कर फैशन अथवा उसकी बिक्री करने की कला नहीं सीखी जा सकती। मौजूदा बाजार माहौल के कारण अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जरूरी हो गया है कि आप अपने कार्य कौशलों को बढ़ा कर फैशन इंडस्ट्री में अपनी रचनात्मकता को आजमाएं।

फैशन फोटोग्राफी

फैशन जर्नलिस्ट का दूसरा काम फोटोग्राफी से संबंधित होता है। अभिलाषा और कल्पना की उड़ान के धागों से बने कपड़ों की तस्वीरों को जर्नलिस्ट अपने पाठकों के लिए कुछ इस प्रकार से मढ़ता है कि पाठक उससे खुद को आसानी से जोड़ सकें।

फैशन जर्नलिज्म

योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए फैशन जर्नलिज्म में रोजगार के लिए बेहतरीन ऑप्शंस हैं, क्योंकि फैशन इंडस्ट्री में एक्सक्लूसिव राइटिंग और टीवी प्रोग्राम बनाने के लिए बहुत अवसर हैं। फैशन जर्नलिस्ट फुलटाइम या फ्रीलांस के रूप में काम करते हैं।



विदेश में चाहिए नौकरी तो रिज्यूमे बनाते समय इन बातों का रखें ख्याल

अगर आपका भी सपना विदेश में नौकरी करने का हैं तो आपको रिज्यूमे बनाते समय कुछ खास चीजों का ध्यान रखना होगा।

विदेश में नौकरी करना सभी का सपना होता है। कई लोग सालों तक विदेश में नौकरी करने के लिए इंटरव्यू देते हैं। हालांकि कई बार हमें इंटरव्यू के लिए भी कॉल नहीं आता है। विदेश में नौकरी चाहिए तो आपको अपने रिज्यूमे पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आपका रिज्यूमे सही तरीके से बना होगा तो आपको नौकरी के लिए तुरंत कॉल आ सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आपको रिज्यूमे बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

वर्क एक्सपीरियंस

वर्क एक्सपीरियंस आपको सही तरीके से लिखना है। आपने किस कंपनी में क्या- क्या काम किया है और क्या कुछ नया सीखा है। इसे आपको विस्तार से लिखना होगा। किसी भी कंपनी से आपको तभी कॉल आएगा जब आपका रिज्यूमे उन्हें पसंद आएगा। ऐसे में आपको अपने वर्क एक्सपीरियंस को अच्छे से लिखना चाहिए।

एजुकेशन

आपको अपने एजुकेशन के बारे में विस्तार से लिखना होगा। तभी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा। एजुकेशन-क्वालिफिकेशन के दौरान आपको यह भी लिखना होगा कि आपके कितने मार्क्स आए थे। कई कंपनियां मार्क्स भी देखती हैं।

स्किल्स पर ध्यान दें

आपको अपने स्किल्स के बारे में लिखना है। ध्यान रखें कि रिज्यूमे पर जो भी लिखा होता है आपसे उसी चीज को लेकर सवाल पूछे जाते हैं। ऐसे में आपको अपने स्किल्स को लेकर काफी ध्यान देना है। उन्ही चीजों के बारे में लिखें जो आपको आता है। अगर आपको नहीं आता होगा तो इंटरव्यू के दौरान आप सभी सवालों का जवाब नहीं दे पाएगे।

पर्सनल डिटेल जरूर लिखें

कंपनी आपको भारत से विदेश बुलाएगी तो आपका वह बैकग्राउंड जरूर चेक करेगी। ऐसे में आपको अपने रिज्यूमे में पर्सनल डिटेल जरूर ऐड करना चाहिए। आप अपने फैमिली डिटेल और अपना पूरा डिटेल जरूर लिखें।

एग्जाम स्ट्रेस को इस तरह करें दूर

परीक्षा के दिन बच्चों के लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण होते हैं। बच्चे कितना भी चाहें, लेकिन फिर भी वह परीक्षा के स्ट्रेस को खुद से दूर नहीं रख पाते। कुछ बच्चों का तनाव इस हद तक बढ़ जाता है कि वह अपनी पढ़ाई में भी ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते। जिससे उनकी परीक्षाएं प्रभावित होती हैं। कई बार तो यह स्ट्रेस उनके मानसिक ही नहीं, शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि अगर आप बच्चों को परीक्षा के दिनों में स्ट्रेस फ्री रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपना सकते हैं-

सिर्फ पढ़ाई नहीं

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनवा बढ़ता जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप बच्चे से हरदम पढ़ाई की ही बात ना करें, बल्कि उसके साथ थोड़ी देर टहलें या फिर खेलें। अन्य एक्टिविटी करने से बच्चे का मूड फ्रेश होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से परफॉर्म करते हैं।

बनाएं स्टडी प्लॉन

अमूमन माता-पिता बच्चों से सिर्फ पढ़ाई की ही बात करते हैं, जिससे बच्चा परेशान हो जाता है। यकीनन इस समय बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई करने की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप एक स्टडी प्लॉन बनाएं। मसलन, बच्चा पूरे दिन में कितनी देर पढ़ाई करेगा और उसके कितनी देर का ब्रेक लेना है। एक बार में वह कितने पार्ट को कवर करेगा, इन सब की प्लानिंग पहले ही कर लें। इस तरह जब आप पहले से ही सारी प्लानिंग कर लेंगी तो इससे बच्चों का भी तनाव कम होगा।

खान-पान

परीक्षा के दिनों में बच्चों का खान-पान भी काफी अहम होता है। इस दौरान बच्चों को अतिरिक्त भूख लगती है। लेकिन आप बच्चों को हैवी या तला हुआ फूड खिलाने की जगह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ ना कुछ खाने को दें। साथ ही लिथिड की मात्रा अधिक रखें और उसे हेल्दी स्नैक्स जैसे रोस्टेड बादाम या मखाना आदि दें। यह बच्चे को लंबे समय तक फुल रखेंगे और उनका एनर्जी लेवल बनाए रखेंगे। इतना ही नहीं, उनका संतुलित खान-पान बच्चों के तनाव को दूर करता है।

करें रिलैक्स

अगर बच्चा पढ़ाई को लेकर अतिरिक्त तनाव में है तो आप उनके साथ मिलकर कुछ रिलैक्सेशन एक्टिविटी कर सकते हैं। जैसे डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन, करें। इसके अलावा आप कुछ देर उन्हें जो पसंद हो, वह जरूर करने दें। भले ही वह म्यूजिक सुनना हो या फिर कोई गेम खेलना। दरअसल, इस तरह की एक्टिविटी बच्चे के लिए स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है।



परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है।

अगर आप भी ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं...

आधुनिक दौर में आज हर एक काम टेक्नोलॉजी से कंटेक्ट हो चुका है। एक समय हुआ जब ड्रोन को हम सभी केवल टेलीविजन और इक्का दुक्का जगहों पर देखने को मिलता था। लेकिन आज अधिकतर फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, इंफ्लूयसर, आदि के पास देखने को मिल जाता है। पहले एक समय हुआ करता था जब ड्रोन को उड़ाने वाले लोगों के पास ट्रेनिंग होती थी। लेकिन समय के बदलते दौर के साथ सिक्योरिटी से लेकर मीडिया इंडस्ट्री हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। शादी-विवाह से लेकर फिल्म शूटिंग हर जगह पर ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो जानिए कैसे आप इस फील्ड के लिए तैयार हो सकते हैं।

ड्रोन पायलट बनने की योग्यता

ड्रोन का इस्तेमाल कामर्शियल फील्ड और रीक्रिएशनल फील्ड दोनों में किया जा रहा है। ड्रोन पायलट बनने के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है। ड्रोन उड़ाने के लिए आपको प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने की जरूरत होती है। आपको यह जानना भी जरूरी है कि ड्रोन पायलट बनने के लिए योग्यता अलग-अलग संस्थान के हिसाब से भी निर्धारित होती है।



अगर आप ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं, तो जानिए कि इसके लिए आपके पास क्या-क्या योग्यताएं होनी चाहिए।

कैसे बन सकते हैं ड्रोन पायलट

ड्रोन पायलट बनने वाले कैंडिडेट को डीजीसीए द्वारा रिकग्नाइज इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग लेनी होती है। इसके लिए आपको मेडिकल एग्जामिनेशन भी क्लियर करना होता है।

लाइसेंस लेने के लिए करना होता एग्जाम क्लियर

लाइसेंस पाने के लिए पहले ट्रेनिंग लेनी होती है इसके बाद आपको लिखित परीक्षा क्लियर करनी होती है। आपको बता दें कि इसके लिए डीजीसीए लाइसेंस (कोचिंग गाइडलाइन) देता है। अगर बात करें फीस के बारे में तो इंस्टीट्यूट के हिसाब से यह 30 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकती है।

सरकार द्वारा लांच की गई वेब साइट

कुछ समय पहले इंडियन गवर्नमेंट की तरफ से वेबसाइट लॉन्च की है। इस साइट पर जाकर आप ड्रोन पायलट करियर से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन 28 अक्टूबर को

भिण्ड। मध्य प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन भिण्ड एवं जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड, आई.टी.आई. भिण्ड तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र भिण्ड के द्वारा युवा संगम (रोजगार मेला, अप्रेंटिस मेला तथा स्वरोजगार) मेला का आयोजन दिनांक 28 अक्टूबर 2026 को समय प्रातः 11 बजे से सायं 04 बजे तक स्थान शासकीय एम०जे०एस० महाविद्यालय भिण्ड में किया जाएगा। जिसमें क्विक आई टी सॉल्यूशन इन कंटलजेंसी ग्वालियर द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए मेनेजर, इलेक्ट्रिशियन, सर्विसेस लिमिटेड नोएडा द्वारा 18 से 35 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए असिस्टेंट ऑपरेटर, ग्लोबल सिक्यूरिटी सर्विस प्रा.लि. ठाटीपुर ग्वालियर द्वारा 18 से 26 आयु वर्ग के 12वीं एवं आईटीआई पास युवाओं के लिए ट्रेनिज, ऑटोमोबाईल प्रोग्रामर, न्यू हॉलेंड ग्रेटर नोएडा द्वारा 18 से 26 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए ऑपरेटर, ग्रेट आर्गेनिक डायमंड प्रा.लि. सागर द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए एडवाईजर, आमधनी प्रा.लि. (अपोलो टायर) ग्वालियर द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं एवं आईटीआई पास युवाओं के लिए मशीनरी ऑपरेटर, स्टेंडर्ड सर्विस प्रा.लि. मालनपुर द्वारा 18 से 26 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए हेल्पर, कोशल विकास केन्द्र ग्वालियर (महिन्द्रा ट्रेक्टर) द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए हेल्पर, नीमेक्स मेन पावर प्रा.लि. द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए हेल्पर ऑपरेटर, राव्या वर्क फोर होम प्रा.लि. लखनऊ (उ.प्र.) द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं एवं स्नातक पास युवाओं के लिए हेल्पर सुपरवाईजर, एलआईसी भिण्ड द्वारा 18 से 35 आयु वर्ग के 12वीं पास युवाओं के लिए फील्ड ऑफिसर, पथवेस्टा केरियर स्किल्स कॉरपोरेशन द्वारा 28 से 30 आयु वर्ग के स्नातक पास युवाओं के लिए बैंक रिलेटिव, जॉब फेयर नाओ काम भिण्ड द्वारा 21 से 29 आयु वर्ग के स्नातक पास युवाओं के लिए डी.बी.एम., सिस एल एल कंपनी ग्वालियर द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए ब्यूटी पार्लर/नर्सिंग, जमुना ऑटो पार्ट्स मालनपुर द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं एवं आईटीआई पास युवाओं के लिए ऑपरेटर/ट्रेनीज, अग्निस्टोका ग्वालियर द्वारा 18 से 28 आयु वर्ग के 10वीं पास युवाओं के लिए सेल्स, एलआईसी (बीमा सखी योजना) द्वारा 18 से 35 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए बीमा सखी योजना (केवल महिला), एम आर एफ टायर द्वारा 18 से 26 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं एवं आईटीआई डिप्लोमा पास युवाओं के लिए ऑपरेटर, याजाकी इंडिया प्रा.लि. द्वारा 18 से 26 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं एवं आईटीआई डिप्लोमा पास युवाओं के लिए एसेम्बली ऑपरेटर के पद पर भर्ती की जावेगी। आवेदक साक्षात्कार के समय 10वीं/12वीं एवं स्नातक की मूल अंकसूची एवं अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र सहित एवं पासपोर्ट साइज के तीन फोटोग्राफ लेकर आवें।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 09वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर

भिण्ड। जवाहर नवोदय विद्यालय बिरखड़ी रौन जिला भिण्ड शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित सह शिक्षा का एक आवासीय पूर्णतः निःशुल्क विद्यालय है जिसमें प्रवेश परीक्षा के द्वारा कक्षा 9वीं एवं 11वीं में विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्रालय के नियमानुसार प्रति वर्ष प्रवेश दिया जाता है। इस वर्ष भी कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन एन्ड्रायड मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर इत्यादि के माध्यम से भरने/अपलोड करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 से बढ़ाकर 23 अक्टूबर 2026 कर दी गई है, जिसमें विद्यार्थी का फोटो, विद्यार्थी के हस्ताक्षर माता/पिता के हस्ताक्षर, आधार नम्बर एवं एन्ड्रायड मोबाइल/लैपटॉप/कम्प्यूटर ऑनलाइन आवेदन के लिये आवश्यक है। कक्षा 09वीं में प्रवेश के लिए लिंक https://cbseitms.nic.in/2026/nvsix_9 और जन्म तिथि 01.05.2012 से 31.07.2014 तक (दोनों तिथियाँ सम्मिलित) तथा कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए लिंक https://cbseitms.nic.in/2026/nvsxi_11और जन्म तिथि 01.06.2010 से 31.07.2012 तक (दोनों तिथियाँ सम्मिलित) हैं।

मुख्यमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर के रावण दहन कार्यक्रम को किया संबोधित

भगवान राम ने रिश्तों का महत्व बताया और अपने आचरण से सदमार्ग पर चलने का दिया संदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने रिश्तों का महत्व बताया और अपने आचरण से सभी को सदमार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना का कार्य कर रहे हैं। दुनिया के 200 देश भारत को सम्मान की नजर से देख रहे हैं। अयोध्या में भगवान श्री राम आसीन हैं। आने वाले समय में मथुरा, वृंदावन में भगवान श्री कृष्ण भी मुस्कुराएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विजयादशमी के अवसर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर (कोलार) में रावण दहन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति करने वाली बेटियों और अन्य कलाकारों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित नागरिकों को दशहरे की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम कोलार हिन्दु उत्सव समिति, विक्रमादित्य महाविद्यालय और दैनिक भास्कर समाचार पत्र की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री राम, सीतामाता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी के स्वरूपों की आरती उतारी। मुख्यमंत्री ने प्रधान आरक्षक ट्रेफिक श्री जगदीश दांगी को साहसिक कार्य के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सांसद श्री वी.डी. शर्मा, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, महामंत्री श्री राहुल कोठारी, भोपाल जिला अध्यक्ष श्री रविंद्र यति और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।



कलेक्टर एवं एसपी ने मंत्रोच्चारों के साथ पुलिस लाइन में किया शस्त्र-पूजन



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

दशहरा पर्व का सनातन धर्म में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है, दशहरा के पावन पर्व पर शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाने वाला शस्त्र पूजन पर पुलिस लाईन भिण्ड में उत्साह, उमंग व धूमधाम के साथ शस्त्रों की पूजा की गई। कलेक्टर भिण्ड श्री पवन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री सूरज कुमार वर्मा की उपस्थिति में जिले का मुख्य शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप पटेल, एसडीएम भिण्ड श्री महेन्द्र सौजन्या भी इस शस्त्र-पूजन में शामिल हुए। बुराई पर अच्छाई की जीत के महापर्व विजय दशमी पर पुलिस लाइन में आयोजित हुए कार्यक्रम में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने सनातन संस्कृति के विधि-विधानों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पवित्र यज्ञ में आहुतियाँ देकर शस्त्र पूजन किया। इसके बाद मंगल आरती की गई। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने जिले वासियों को दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि बुराई पर अच्छाई के प्रतीक इस दशहरा पर्व को उत्साह और उमंग के साथ मनाएं।

विजयादशमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन भिण्ड में पारंपरिक और गरिमामय माहौल में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पुलिस बल के शस्त्रों और वाहनों का पूजन किया।शस्त्र पूजन समारोह के दौरान पंडितों द्वारा वैदिक सूक्तों का पाठ किया गया।

कलेक्टर एवं एसपी ने हवन-पूजन में आहुतियां दीं और माँ दुर्गा व भगवान श्री राम से जिले में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की प्रार्थना की। पूजन के उपरांत परंपरा अनुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा हर्ष फायर भी किया गया।

सहकारिता मंत्री श्री सारंग ने मंत्रोपचार व विधिविधान से किया शस्त्र पूजन

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि पूरी दुनिया में बुराई पर अच्छाई के प्रतीक विजयादशमी पर्व मनाया जा रहा है। सभी को दशहरे की बहुत बहुत शुभकामनाएं। सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में विजयादशमी के शुभ अवसर पर शस्त्र पूजन का आयोजन भी किया गया है। शस्त्र शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है। मंत्री श्री सारंग पुलिस लाइन नेहरू नगर भोपाल स्थित ग्राउंड में शस्त्र पूजन में शामिल हुए। मंत्री श्री सारंग ने विधि विधान से शस्त्र पूजन किया।

विजयादशमी के शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पुलिस लाईन, नेहरु नगर में परम्परागत तरीके से विधिविधान व मन्त्रोपचार के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ। विजयादशमी के अवसर पारम्परिक रूप से पुलिस विभाग के द्वारा शस्त्र पूजन की परम्परा रही है, जिसके संदर्भ में सभी जिला मुख्यालयों पर शस्त्र पूजन किया जाता है। शस्त्र पूजन तथा वाहनों का पूजन एवं समस्त मशीनरी का पूजन आमतौर पर एक परम्परा का अंग बन गया है। इसी तारतम्य में भोपाल पुलिस कमिश्नरेट द्वारा मंगलवार दोपहर मन्त्रोपचार के साथ शस्त्रों की पूजा अर्चना की एवं हवन किया गया। उपरांत सांकेतिक रूप से हर्ष फायर सम्पादित किया।



शस्त्र पूजन के अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय, सांसद श्री आलोक शर्मा, पुलिस कमिश्नर श्री संजय कुमार, संभागायुक्त भोपाल श्री कर्मवीर शर्मा, विधायक डॉ. भगवानदास सबनानी, एडिशनल कमिश्नर श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान, एडिशनल कमिश्नर श्रीमती मोनिका शुक्ला, एडिशनल कमिश्नर श्रीमती श्रद्धा तिवारी, डीसीपी श्री अखिल पटेल, डीसीपी श्री आदर्श कांत शुक्ला, डीसीपी श्री आयुष गुप्ता, एडिशनल डीसीपी श्रीमती शालिनी दीक्षित, एडिशनल डीसीपी श्रीमती नीतू ठाकुर, एडिशनल डीसीपी श्रीमती मंजुलता खत्री, एडिशनल डीसीपी श्री बसंत कौल, एडिशनल डीसीपी श्री संजीव पाठक, एसीपी श्री अजय वाजपेयी, आरआई श्री जय सिंह तोमर एवं अन्य अधिकारी तथा रक्षित केंद्र का स्टॉफ मौजूद रहे।

विजयादशमी व दशहरे के शुभ अवसर के उपलक्ष्य में पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार ने पुलिस परिवार एवं सभी शहरवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नशामुक्त एवं मांसाहार मुक्त जीवन अपनाकर जीवन को सफल बनाएं : उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल

नशा नाश की जड़ है, सुसंस्कृत समाज ही विकसित भारत के संकल्प को साकार कर सकता है

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि नशामुक्त एवं मांसाहार मुक्त जीवन अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। नशा नाश की जड़ है और नशे की प्रवृत्ति व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करती है। सुसंस्कृत, स्वस्थ एवं संस्कारवान समाज ही विकसित भारत के संकल्प को अक्षुण्ण बनाए रख सकता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का नेतृत्व करे, यह केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की आवश्यकता है। दुनिया में व्याप्त अशांति को दूर करने और शांति का मार्ग प्रशस्त करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल व्यौहारी स्थित पंच ज्योति शक्ति तीर्थ धाम में नशामुक्त एवं मांसाहार मुक्त समाज के निर्माण के लिए आयोजित शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ने नशामुक्त समाज के निर्माण का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर आगे आना होगा। नशे से दूर रहकर और जीवन में अच्छे संस्कार अपनाकर ही स्वस्थ एवं समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है।



उप मुख्यमंत्री ने गौमाता के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास माना गया है। गौमाता का गोबर एवं गौमूत्र देवपूजन के साथ प्राकृतिक खेती में भी उपयोगी है। इनके उपयोग से प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा मिलता है तथा धरती माता के स्वास्थ्य एवं उर्वरता की रक्षा करने में सहायता मिलती है। स्वस्थ धरती से प्राप्त अन्न मानव जीवन को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने से पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा मिल सकता है।

10 रुपये के विवाद में साथी ने युवक के सिर में मारी ईंट



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

गौरी किनारे पर मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे 10 रुपये के विवाद में एक व्यक्ति को उसके साथी ने ईंट मारकर घायल कर दिया। घायल की पहचान 38 वर्षीय शिवदेव शाक्य पुत्र रामस्वरूप निवासी बीटीआई रोड, विक्रमपुर के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने घटना के बाद डायल 112 को सूचना दी और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार शिवदेव का अपने साथी के साथ ईंटों के चट्टे को लेकर विवाद हो गया था। बताया गया है कि विवाद 10 रुपये को लेकर शुरू हुआ। कहासुनी के दौरान साथी ने शिवदेव पर ईंट से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मदद की और डायल 112 की सहायता से उसे अस्पताल पहुंचाया।

घटना में घायल शिवदेव का उपचार कराया गया। विवाद के दौरान हमला करने वाले व्यक्ति की पहचान और पुलिस कार्रवाई को लेकर विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। घटना के संबंध में पुलिस का आधिकारिक पक्ष मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088